RNI-MPHIN/2018/75526

वर्ष-08 | अंक-271 | पृष्ठ 08 | मूल्य 02/-

दैनिक

कालप्रिया

सच वही जो दिखे...

भोपाल, मंगलवार

7

जुलाई 2026

Email.kalpriyanews72@gmail.com

आषाढ़ कृष्ण पक्ष-7, विक्रम संवत् 2083

पेज-6

यूपी में बीजेपी के रोडशो के खिलाफ चंडीगढ़ में कंप्लेंट

वकील बोले- राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन के आगे भगवान हनुमान वेशधारी को नचाकर अपमान किया

चंडीगढ़। यूपी के लखनऊ में बीजेपी के रोड शो को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। रोड शो के दौरान भगवान हनुमान जी की वेशभूषा के कथित गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया गया है। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के वकील तथा काउंसिल ऑफ लॉयर्स के चेयरमैन एडवोकेट वासु रंजन ने चंडीगढ़ डीजीपी और एसएसपी को ईमेल के जरिए शिकायत भेजी है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के रोड शो के दौरान भगवान हनुमान का वेश धारण किए व्यक्ति को उनके आगे नचाया गया, जिससे करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। शिकायतकर्ता ने इसे भगवान हनुमान के पावन स्वरूप का अनुचित और अपमानजनक इस्तेमाल बताया है। शिकायत में संबंधित लोगों के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में तत्काल एफआईआर दर्ज करने, मामले की निष्पक्ष जांच कराने और घटना से जुड़े सभी डिजिटल व अन्य सबूत सुरक्षित रखने की मांग की गई है।

हनुमान हिंदुओं के लिए सबसे पूजनीय देवता

एडवोकेट वासु रंजन ने शिकायत में कहा कि भगवान हनुमान हिंदुओं के लिए सबसे पूजनीय देवताओं में से एक हैं। राजनीतिक प्रचार और प्रोपेगेंडा के लिए उनकी पवित्र वेशभूषा का उपयोग भक्तों की धार्मिक भावनाओं का सीधा अपमान है और यह जानबूझकर किया गया एक अपवित्र कृत्य है।

पीएम मोदी इंडोनेशिया पहुंचे

फाइटर जेट्स ने एस्कॉर्ट किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को इंडोनेशिया पहुंचे। सीमा पर पहुंचते ही मेजबान देश के फाइटर जेट्स ने उनके विमान को एस्कॉर्ट किया। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी का यहां तीसरा दौरा है। एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं के बीच होने वाली द्विपक्षीय बैठक में करीब ?2,500 करोड़ की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल

डील पर मुहर लगने की संभावना है। पीएम मोदी इंडोनेशिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन भी जाएंगे। 9वीं शताब्दी में बना यह मंदिर भगवान शिव, विष्णु और ब्रह्मा को समर्पित है और यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है। इंडोनेशिया दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश है, लेकिन उसकी सांस्कृतिक विरासत पर हिंदू-बौद्ध सभ्यता की गहरी छाप दिखाई देती है।

इंडोनेशिया का साबंग पोर्ट भारत के लिए अहम

इंडोनेशिया का साबंग पोर्ट अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के बेहद करीब है। भारत और इंडोनेशिया ने 2018 में प्रधानमंत्री मोदी की जकार्ता यात्रा के दौरान साबंग पोर्ट और आसपास समुद्री सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई थी। इसके तहत पोर्ट के विकास, समुद्री संपर्क, लॉजिस्टिक सहयोग और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने पर जोर दिया गया। भारत और इंडोनेशिया के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों की बात करें, तो ये करीब 2,000 साल पुराने माने जाते हैं। प्राचीन काल से भारतीय व्यापारियों, हिंदू और बौद्ध संस्कृति का इंडोनेशिया पर गहरा प्रभाव रहा है।आज भी इंडोनेशिया के बाली और जावा में रामायण और महाभारत पर आधारित नृत्य-नाटक और सांस्कृतिक परंपराएं प्रचलित हैं। वहां 85 मुस्लिम आबादी होने के बाद भी 20 हजार रुपिया के नोट पर भगवान गणेश की फोटो छपी थी।

इंडोनेशिया भारत से ब्रह्मोस खरीदने वाला दूसरा देश बन सकता है

भारत और इंडोनेशिया के बीच करीब रू2,500 करोड़ की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम की संभावित डील इस यात्रा का सबसे अहम एजेंडा मानी जा रही है। अगर समझौते पर मुहर लगती है तो फिलीपींस के बाद इंडोनेशिया ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने वाला दूसरा विदेशी ग्राहक बन सकता है। ब्रह्मोस मिसाइल का विकास भारत के डीआरडीओ और रूस की 'एनपीओ मशिनोस्ट्रोयेनिया' के संयुक्त उपक्रम ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने किया है। यह दुनिया की सबसे तेज ऑपरेशनल सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में गिनी जाती है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी-चंपत राय अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर

चंपत राय और अनिल मिश्रा ने चढ़ावा चोरी की घटना सामने आने के बाद इस्तीफा दिया था

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली बैठक 3 घंटे से चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, चंपत राय और गोपाल राव बैठक में शामिल होने के लिए मंदिर पहुंचे, लेकिन उन्हें एंट्री नहीं मिली। दोनों मंदिर के कमरे में बैठे हुए हैं। ट्रस्टी अनिल मिश्रा भी बैठक में नहीं पहुंचे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रस्ट की बैठक में दोनों का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास कर रहे हैं।

ट्रस्ट में 14 सदस्य

चंपत राय और अनिल मिश्रा ने चढ़ावा चोरी की घटना सामने आने के बाद इस्तीफा दिया था। ट्रस्ट में 14 सदस्य हैं। इनमें से 4 पदेन सदस्य हैं। किसी भी प्रस्ताव को पास करने के लिए दो-तिहाई सदस्यों की सहमति जरूरी है। पदेन सदस्यों के वोट काउंट नहीं होते हैं। चंपत और अनिल इस्तीफा दे चुके हैं। ऐसे में 8 सदस्यों में से 6 सदस्यों की सहमति के बाद ही फैसला संभव है। इससे पहले, सोमवार दोपहर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल ने लेटर जारी करके पहली बार चढ़ावा चोरी पर बयान दिया। उन्होंने कहा- चोरी से मैं आहत हूं। जिसने भी यह पाप किया है, उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर अर्पित की पुष्पांजलि

राज्य सरकार इसी माह समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में है अग्रसरः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनसंघ के संस्थापक और प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर लालघाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर पौधरोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का स्मरण करते हुए कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पूरे सम्मान के साथ मनाई जा रही है। डॉ. मुखर्जी के एक देश-एक विधान-एक निशान-एक प्रधान के संकल्प को साकार करने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में राज्य सरकार इसी माह समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में अग्रसर है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत ने विश्व में बनाई विशेष पहचान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए विश्व में विशेष पहचान बनाई है। डॉ. मुखर्जी ने देश और समाज के सर्वांगीण विकास की कल्पना की। राज्य सरकार ने डॉ. मुखर्जी की जयंती के अवसर पर 15 दिवसीय जनकल्याण पखवाड़े की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत प्रदेश के सभी गरीब, जरूरतमंद और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है। राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान दे रही है।

हर क्षेत्र में तेजी से विकास करते हुए आगे बढ़ रहा है मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशानुसार बना दिल्ली में बना भारत मंडपम हमारे लिए एक आदर्श उदाहरण है। डॉ. मुखर्जी की जयंती पर आज भोपाल के सतगढ़ी में मध्यप्रदेश के सबसे बडे कन्वेंशन सेंटर और सतगढ़ी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क की आधारशिला रखी जा रही है। राज्य सरकार कुशाभाऊ ठाकरे सभागार के पास एक आधुनिक कन्वेंशन सेंटर तैयार कर रही है, जिसकी क्षमता 5 हजार सीट्स की रहेगी। सतगढ़ी में बनने वाले नए विशाल कन्वेंशन सेंटर में 10 हजार से अधिक व्यक्तियों की व्यवस्था है। भोपाल सबसे समृद्ध और सशक्त राजधानी बनने जा रहा है। हमारा प्रदेश हर क्षेत्र में तेजी से विकास करते हुए आगे बढ़ रहा है।

अब मध्यप्रदेश की धरती पर बनेंगे, रक्षा क्षेत्र के उपकरण, मिसाइल और हथियार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ने रक्षा क्षेत्र में नया इतिहास रचा है। अब रक्षा क्षेत्र के कई उपकरण, मिसाइल और हथियार मध्यप्रदेश की धरती पर बनेंगे। चंबल की धरती सालों से मां भारती की सेवा करने वाले वीर सैनिकों की भूमि रही है। अब यहां आधुनिक हथियार भी तैयार किए जाएंगे। यह मिसाइल एक हजार किलोमीटर तक दुश्मन के ठिकानों को ध्वस्त करने की क्षमता वाली होंगी। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, श्री रवीन्द्र यति, जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

तृणमूल दावेदारी विवाद

चुनाव आयोग में दस्तावेज जमा करने की अंतिम तारीख आज

कोलकाता, एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर दावेदारी की लड़ाई सोमवार को निर्णायक दौर में पहुंचने वाली है। पार्टी के दोनों प्रतिद्वंद्वी गुट चुनाव आयोग के समक्ष दस्तावेज जमा कर पार्टी के नाम, चुनाव चिह्न और संगठनात्मक ढांचे पर अपना-अपना दावा पेश करेंगे। पार्टी के 28 साल के इतिहास में पहली बार इस तरह का विवाद सामने आया है। दोनों गुट खुद को असली तृणमूल कांग्रेस होने का दावा कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने पिछले सप्ताह दोनों पक्षों की प्रारंभिक दलीलें सुनने के बाद उन्हें 6 जुलाई शाम 5:30 बजे तक दस्तावेज, संगठनात्मक रिकॉर्ड और समर्थन के प्रमाण जमा करने को कहा था। विवाद का केंद्र पार्टी का चर्चित जोड़ा घास फूल चुनाव चिह्न, संगठनात्मक संपत्तियां, वित्तीय संसाधन और पार्टी मुख्यालय हैं। विधानसभा चुनाव में हार के बाद शुरू हुए बगावत के दौर में इन सभी पर दोनों गुटों ने दावा किया है। समयसीमा समाप्त होने के बाद चुनाव आयोग रिकॉर्ड का परीक्षण करेगा और इसके आधार पर दोनों पक्षों को सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा।

हजारों कश्मीरियों का 'मिलियन मार्च'

लंदन में गूंजा 'पीओके की आजादी' का नारा

नई दिल्ली, एजेंसी

यूके में रह रहे हजारों कश्मीरियों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन और राजनीतिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ एक बड़ा विरोध मार्च निकाला है। हजारों लोगों ने लंदन कश्मीर मिलियन मार्च में हिस्सा लिया, उन्होंने पार्लियामेंट स्क्वायर से पाकिस्तानी हाई कमीशन तक मार्च किया। मार्च के दौरान, प्रदर्शनकारियों ने आजादी के समर्थन में नारे लगाए और जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के प्रमुख शौकत नवाज मीर और अन्य राजनीतिक नेताओं की गिरफ्तारी की निंदा की। जम्मू-कश्मीर नेशनल इंडिपेंडेंस अलायंस के चेयरमैन महमूद कश्मीरी ने कहा कि आज हजारों लोग पाकिस्तानी हाई कमीशन के बाहर जमा हुए हैं और दुनिया भर में कश्मीरी पाकिस्तानी फोर्स के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। हम जुल्म और नाइंसाफी के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। हम किसी भी हालत में पाकिस्तान के सामने घुटने नहीं टेकेंगे और इस जुल्म और अत्याचार के खिलाफ अपना आंदोलन जारी रखेंगे।

200 लोगों को धर्म परिवर्तन

50-60 हजार रुपए देकर हिंदुओं को ईसाई बना रहा था रशीद

मुजफ्फरनगर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है जहां रविवार को मंसूरपुर थाना क्षेत्र स्थित जड़ौदा गांव में सैकड़ो हिंदू भोले भाले लोगों का ईसाई धर्म में धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। इसकी सूचना पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर जब इसका विरोध किया तो हंगामा खड़ा हो गया। स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले को शांत करते हुए पुलिस ने मौके से सात पुरुष और पांच महिलाओं को हिरासत में लिया। उनके पास तीन बाइबल की किताब और कुछ आई कार्ड भी बरामद कर मामले जी जांच शुरू कर दी है। बजरंग दल कार्यकर्ताओं का आरोप है कि इस गांव में राशिद नाम के एक व्यक्ति का गोदाम है जिसमें सैकड़ों हिंदू लोगों को फ्री इलाज और अन्य लालच देकर सामूहिक धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। मुख्य आरोपी का जैसे पता लगा है, वह रशीद है। वह लालच देकर धर्म परिवर्तन कर रहे थे। किसी को 50000 दे रहे थे, किसी को 60000 तो किसी का इलाज कराने के नाम पर. मतलब लालच द्वारा ही वह धर्म परिवर्तन करा रहे थे।

वीबी-जी राम जी योजना के तहत राज्यों को 25,863 करोड़ की पहली किस्त जारी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को 'विकसित भारतःगारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण)' (वीबीःजी राम जी) योजना के सुचारु संचालन के लिए सभी राज्यों को 25,863 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की। मंत्री ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि श्रमिकों को 15 दिनों के भीतर उनकी मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित किया जा सके। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक जुलाई से पूरे देश में लागू हुई इस नई योजना का ट्रांजीशन (मनरेगा से वीबी-जी राम जी में बदलाव) पूरी तरह से निर्बाध और सफल रहा है। इस योजना के तहत मजदूरी दरों में औसतन लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। अब देश के किसी भी राज्य में न्यूनतम मजदूरी 300 रुपये प्रतिदिन से कम नहीं होगी। ओडिशा, पश्चिम बंगाल और झारखंड को भी प्रक्रियाएं जल्द पूरी करने को कहा गया है।मंत्री ने स्पष्ट किया कि योजना में किसी भी प्रकार के फर्जीवाड़े या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जज्बा | **एक बुजुर्ग महिला ने अपने हौसले और भगवान के प्रति अटूट आस्था से सभी को हैरान कर दिया**

116 साल की दादी पैदल चढ़ीं तिरुमला की 3,550 सीढ़ियां

मुंबई, एजेंसी।

बढ़ती उम्र के साथ ज्यादातर लोग लंबी दूरी चलने या कठिन सफर करने से बचते हैं। ऐसे में 116 साल की एक बुजुर्ग महिला ने अपने हौसले और भगवान के प्रति अटूट आस्था से सभी को हैरान कर दिया है। इन दिनों सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में वह तिरुमला की पहाड़ी पर बनी 3,550 सीढ़ियां पैदल चढ़ती नजर आ रही हैं। उनकी उम्र जानने के बाद हर कोई उनके जज्बे की तारीफ कर रहा है।

जानकारी के अनुसार, बुजुर्ग महिला अपने परिवार के साथ कर्नाटक से भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के लिए तिरुमला पहुंची थीं। परिवार ने उनकी उम्र को देखते हुए उन्हें वाहन से ऊपर जाने की सलाह दी, ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो। लेकिन दादी का मन पैदल यात्रा करने का था। उनका विश्वास था कि भगवान के दरबार तक वह अपने कदमों से ही पहुंचेंगी। परिवार ने भी उनकी इच्छा का सम्मान किया और पूरे रास्ते हर कदम पर उनका साथ दिया। तिरुमला का अलीपिरी मार्ग काफी कठिन माना जाता है। करीब 11 किलोमीटर लंबे इस रास्ते में लगभग 3,550 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। इस सफर में कई युवा भी थककर बीच-बीच में आराम करते हैं। लेकिन 116 साल की दादी ने बिना हिम्मत हारे, धैर्य और विश्वास के साथ धीरे-धीरे एक-एक सीढ़ी चढ़ी। उनका यह साहस और अटूट विश्वास आज लाखों लोगों के लिए प्रेरणा बन गया है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि दादी बहुत शांत होकर एक-एक सीढ़ी चढ़ रही हैं। परिवार के सदस्य उनके साथ चलते हुए उनका हौसला बढ़ा रहे हैं। उनके चेहरे पर थकान या घबराहट नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और भगवान के प्रति गहरी आस्था साफ नजर आती है। यही बात लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित कर रही है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को देखने के बाद लोग लगातार अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई यूजर्स का कहना है कि उम्र सिर्फ एक संख्या है, अगर मन मजबूत हो तो कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। वहीं कुछ लोगों ने इसे जीवन में कभी हार न मानने और अपने विश्वास पर अडिग रहने की सीख बताया है। यह वायरल वीडियो सिर्फ एक धार्मिक यात्रा की कहानी नहीं है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि सच्ची श्रद्धा, मजबूत इच्छाशक्ति और धैर्य के बल पर हर मुश्किल आसान हो सकती है।

■ तिरुमला का अलीपिरी मार्ग काफी कठिन माना जाता है

संक्षिप्त समाचार

मृदुभाषी अजीत दादा नहीं रहे, अंतिम संस्कार

सतना। मृदुभाषी अजीत सिंह दादा नहीं रहे। जवाहर नगर निवासी अजीत सिंह उम्र 55 वर्ष विगत चार माह से बिमार चल रहे थे। रविवार की दोपहर उन्होने निज निवास में अंतिम सांसे ली। अंतिम संस्कार सोमवार 6 जुलाई को जवाहर नगर स्थित मुक्ति धाम में सुबह 10 बजे होगा। अंतिम संस्कार पुत्र अजय सिंह उर्फ हनि करेंगे। अजित दादा ने शहर के कई अखबारों में अपनी सेवाएं दी। शहर के पत्रकारों ने शोक श्रध्दांजलि अर्पित करते हुए शोक व्यक्त किया है। शोक व्यक्त करने वालों में नव स्वदेश संपादक ऋषि पंडित, हरि किशोर शुक्ला, अमन शुक्ला, धर्मेन्द्र सिंह, मृदुल पाण्डेय, नंद किशोर नंदा, राजेश धामी, कैलाश तिवारी आदि ने शोक व्यक्त किया है।

सर्व समाज ने शहीद भरत भूषण तिवारी को अर्पित की श्रद्धांजलि

सतना। सर्व समाज द्वारा ग्राम बिलौटी जिला भोजपुर बिहार में शहीद हुए भरत भूषण तिवारी की श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सभा का आयोजन महाराणा प्रताप भवन में किया गया। कार्यक्रम में सर्व समाज के बन्धुओं ने भरत तिवारी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखकर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।भरत तिवारी अमर रहे के नारों से पूरा हाल गूंज गया। तत्पश्चात राजभान सिंह, शशांक सिंह बघेल, श्रीपाल जैन, संजय गुप्ता,राकेश सोनी, पूनम मिश्रा, चन्द्रप्रभा गौतम,नीतू मिश्रा,अनुराग पटनाह, सन्तोष पाण्डेय,पंकज शुक्ला, राम पाण्डेय आदि आदि ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन योगेश शर्मा ने किया एवम सभी का आभार शिवराम द्विवेदी ने व्यक्त किया।

पूर्व विधायक शंकरलाल की स्मृति में आयोजित होगी कांवड़ यात्रा

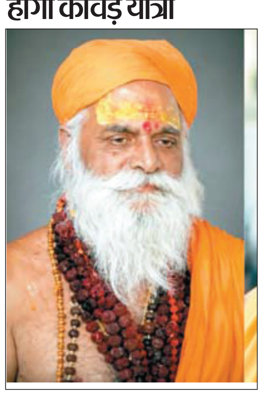

सतना। स्व. शंकरलाल तिवारी (पूर्व विधायक) की पुण्य स्मृति में पावन श्रावण मास के अंतिम सोमवार के अवसर पर विशाल कांवड़ यात्रा एवं भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक का आयोजन किया जाएगा।उक्त जानकारी देते हुए जिला कांवड़ यात्रा संघ सतना के संयोजक राजनारायण तिवारी राजा ने बताया कि 24 अगस्त सोमवार को दोपहर 2.00 बजे से श्रीराम दरबार मंदिर, सुभाष पार्क, सतना से कावंड़ यात्रा निकाली जायेगी जो शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई जगतदेव तालाब पहुंचेगी। यहां प्राचीन शिवलिंग पर जलाभिषेक के साथ कार्यक्रम संपन्न होगा।

माइलेज घटने, इंजन में कंपन और स्टार्टिंग समस्या की बढ़ी शिकायतें

ई-20 पेट्रोल बना वाहन चालकों की परेशानी का सबब

■ **शहर के पुराने से लेकर नए वाहन मालिक भी परेशान, मैकेनिकों के पास बढ़ी भीड़**

नगर संवाददाता, सतना।

पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोलियम उत्पादों के आयात में कमी लाने के उद्देश्य से देशभर में ई-20 पेट्रोल (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) का उपयोग बढ़ाया जा रहा है। हालांकि जिले में बड़ी संख्या में वाहन चालक इसके उपयोग के बाद विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना कर रहे हैं। दोपहिया और चार पहिया वाहन मालिकों का कहना है कि ई-20 पेट्रोल भरवाने के बाद वाहनों की कार्यक्षमता प्रभावित हो रही है, जिससे उनकी चिंता बढ़ गई है।

माइलेज में आई गिरावट

वाहन चालकों का आरोप है कि पहले जहां उनकी बाइक या कार बेहतर माइलेज देती थी, वहीं अब ई-20 पेट्रोल के उपयोग के बाद ईंधन की खपत बढ़ गई है। रोजाना कार्यालय और व्यापारिक कार्यों के लिए वाहन का उपयोग करने वाले लोगों का कहना है कि पेट्रोल पर होने वाला मासिक खर्च बढ़ गया है।

इंजन की परफॉर्मेंस पर असर

कई वाहन मालिकों ने बताया कि ई-20 पेट्रोल भरवाने के बाद इंजन में कंपन, पिकअप में कमी और स्टार्टिंग में दिक्कत जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। कुछ लोगों का कहना है कि वाहन पहले की तुलना में अधिक गर्म हो रहे हैं, जिससे लंबी दूरी की यात्रा के दौरान परेशानी महसूस होती है।

पुराने वाहनों पर सबसे ज्यादा प्रभाव

ऑटोमोबाइल विशेषज्ञों का मानना है कि पुराने मॉडल के अधिकांश वाहन ई-20 पेट्रोल के अनुरूप विकसित नहीं किए गए थे। ऐसे वाहनों में फ्यूल पाइप, फिल्टर और इंजन के अन्य हिस्सों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। सतना के कई वाहन मालिकों ने बताया कि उन्हें बार-बार सर्विस सेंटर के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

विशेषज्ञों की सलाह

विशेषज्ञों ने वाहन मालिकों को नियमित सर्विसिंग कराने, अधिकृत पेट्रोल पंपों से ही ईंधन भरवाने और वाहन निर्माता के दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। उनका कहना है कि सही रखरखाव से कई समस्याओं को कम किया जा सकता है।

नए वाहन चालक भी नहीं अछूते

हालांकि वाहन निर्माता कंपनियां अपने नए मॉडलों को ई-20 अनुकूल बता रही हैं, लेकिन कुछ नए वाहन मालिकों ने भी इंजन के प्रदर्शन में बदलाव की शिकायत की है। इससे उपभोक्ताओं के बीच भ्रम और चिंता का माहौल बना हुआ है।

मैकेनिकों के पास बढ़ी भीड़

शहर के कई मैकेनिकों ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में इंजन ट्यूनिंग, फ्यूल सिस्टम की सफाई और माइलेज संबंधी शिकायतों को लेकर आने वाले ग्राहकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वाहन चालकों का कहना है कि उन्हें अतिरिक्त रखरखाव पर खर्च करना पड़ रहा है।

क्या कहते हैं वाहन चालक

माइलेज कम हो गया-आर्यन

-आर्यन मिश्रा, बाइक चालक ने बताया, 'पहले मेरी बाइक 55 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती थी, अब यह काफी कम हो गया है।

स्टार्टिंग में काफी दिक्कत हो रही

-प्रदीप गर्ग वाहन मालिक का कहना है, 'ई-20 पेट्रोल के बाद वाहन की पिकअप पहले जैसी नहीं रही और स्टार्टिंग में भी दिक्कत महसूस हो रही है।

जागरूकता की कमी बनी समस्या

विशेषज्ञों का मानना है कि ई-20 पेट्रोल को लेकर अभी भी लोगों में पर्याप्त जानकारी नहीं है। कई वाहन चालक यह नहीं जानते कि उनका वाहन ई-20 के लिए उपयुक्त है या नहीं। ऐसे में जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

पीएफए द्वारा निशुल्क रेबीज टीकाकरण कैंप का आयोजन

■ **पुराना पावर हाउस मैदान में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक लगेगा शिविर**

सतना। शहर में बढ़ती डॉग बाइट की घटनाओं और रेबीज संक्रमण के खतरे को देखते हुए (प्रे फॉर एनिमल्स) द्वारा रक्षारब के सहयोग से एक निशुल्क रेबीज टीकाकरण कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर शहर के पुराना पावर हाउस मैदान में 6 जुलाई सोमवार को आयोजित होगा, जहां पालतू एवं सड़कों पर रहने वाले कुत्तों को निःशुल्क रेबीज टीके लगाए जाएंगे। पीएफए द्वारा आयोजित इस विशेष अभियान का नेतृत्व वरिष्ठ सर्जन बृहस्पति भारती करेंगे। शिविर में प्रशिक्षित टीम द्वारा कुत्तों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें रेबीज का टीका लगाया जाएगा। आयोजकों का उद्देश्य शहर में रेबीज जैसी घातक बीमारी की रोकथाम करना और लोगों को जागरूक बनाना है। आयोजकों के अनुसार कैंप प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक संचालित होगा। इस दौरान नागरिक अपने पालतू कुत्तों को लेकर पहुंच सकते हैं और निशुल्क टीकाकरण सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

पंडवानी गायिका तीजन बाई को स्पिक मैके ने दी श्रद्धांजलि

नगर संवाददाता, सतना।

अंतर्राष्ट्रीय स्पिक मेंके संस्था द्वारा मशहूर पंडवानी गायिका पद्म भूषण श्रीमती तीजन बाई जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया द्य संस्था के अध्यक्ष डॉ.हेमन्त कुमार डेनियल ने बताया देश विदेश में अपनी कला का प्रदर्शन करने वाली भारत के छत्तीसगढ़ राज्य के पंडवानी लोकगीत नाटय की पहली महिला कलाकार थी।

वह अपनी अद्भुत नृत्य नाटय कभी दुःशासन की बाह, कभी अर्जुन का रथ, कभी भीम का गदा, तो कभी द्रौपदी के बाल में बदलकर उनका तानपुरा श्रोताओं को इतिहास के उसे समय तक पहुंचा देता था जहां पर जोश के साथ-साथ उपस्थित श्रोतागण होश, क्रोध, दर्द, उत्साह, उमंग और छल कपट की ऐतिहासिक संवेदना को महसूस करते थे। सतना जिले में दो बार में लगभग 10 शैक्षणिक संस्थानों में अपनी मनमोहक प्रस्तुतिया दी हैं, स्पिक मैक़े संस्था ने अपना परिवार का सदस्य एवं मार्गदर्शक खो दिया द्य संस्था के संरक्षक प्रदुमन सिंह सलूजा ने कहा स्व.श्रीमती तीजन बाई ने बच्चों एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो अपनी कला के प्रति लगाव पैदा किया हैं।

जन्मदिन पर किया रक्तदान,दिया मानवता का अनुपम संदेश

नगर संवाददाता, सतना।

जन्मदिन को केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि समाज सेवा के अवसर के रूप में मनाने की प्रेरक मिसाल पेश करते हुए हासवानी परिवार ने पिता के जन्मदिन पर रक्तदान कर मानवता का संदेश दिया। इस अवसर पर पिता,पुत्र और पुत्रवधू ने स्वेच्छा से रक्तदान कर यह साबित किया कि किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने से बड़ा कोई उपहार नहीं हो सकता रक्त प्रेरक एवं सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी ने बताया भाई प्रह्लाद की उपस्थिति में वरिष्ठ समाजसेवी एवं निरंतर रक्तदान कर रहे ज्ञान हासवानी ने अपने जन्मदिन पर स्वयं तो रक्तदान किया साथ पुत्र जयंत हासवानी एवं पुत्रवधू आराध्य हासवानी ने जिला अस्पताल में भर्ती जरूरतमंदों के लिए रक्तदान कर इंसानियत का सच्चा धर्म निभाया

समिति परिवार ने इस सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रेरणादायक कार्य समाज में सकारात्मक सोच का संचार करते हैं और अधिक से अधिक लोगों को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित करते हैं। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद मरीज के लिए नई जिंदगी की उम्मीद बन सकता है। इस अवसर पर संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी,कन्हैयालाल कामदार,किशोर वलेचा, महेश रावलानी ,गंगाराम सचदेव, बसंत खत्री, रंजीत सेनानी, मनीष सदानी, अमित गोघवानी, सागर जसवानी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

रेलवे परामर्शदात्री समिति की बैठक सेठी ने की रीवा-चंडीगढ़, अमृतसर ट्रेन की मांग

नगर संवाददाता, सतना।

गत दिनों पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के महाप्रबंधक दिलीप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक में समिति सदस्य एवं वरिष्ठ भाजपा नेता रवीद्र सिंह सेठी ने सतना मैहर के सांसद गणेश सिंह के मार्गदर्शनसे सतना रेलवे जंक्शन के विकास और यात्री सुविधाओं के विस्तार से जुड़े 17 महत्वपूर्ण विकास प्रस्ताव प्रस्तुत किए। बैठक में उन्होंने रीवा,सतना,चंडीगढ़, अमृतसर के बीच सीधी रेल सेवा शुरू करने की मांग प्रमुखता से उठाई।

श्री सेठी ने कहा कि रीवा,चंडीगढ़ अमृतसर, सीधी ट्रेन शुरू होने से विंध्य क्षेत्र के लाखों दर्शनार्थियों,विद्यार्थियों, व्यापारियों, नौकरी पेशा वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी तथा पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के लिए सीधी रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी।

इसके अलावा उन्होंने दिल्ली एवं मुंबई के लिए अमृत भारत ट्रेन, विभिन्न महानगरों के लिए नई रेल सेवाएं, मल्टी,लेवल पार्किंग, प्लेटफॉर्म विस्तार, आधुनिक यात्री सुविधाएं, डिजिटल सूचना प्रणाली, 5त्न आधारित सुरक्षा व्यवस्था, पर्यटन सूचना केंद्र तथा सतना रेलवे स्टेशनकेआधुनिकीकरण एवं सौंदर्यीकरण सहित 17 विकास प्रस्ताव महाप्रबंधक के समक्ष रखे।

केन्द्रीय जेल सतना में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

■ **चिकित्सकों ने किया नेत्र रोग सहित विभिन्न बीमारियों का इलाज**

नगर संवाददाता, सतना।

केन्द्रीय जेल सतना में इण्यिन मेडिकल ऐसोशियेसन शाखा सतना के तत्वाधान में डॉ. राकेश अग्रवाल, अध्यक्ष, इण्डियन मेडिकल ऐसोशियेसन शाखा सतना एवं डॉ. एनके नेमा, आर्गनाइजिंग सेकेट्री, इण्यिन मेडिकल ऐसोशिएसन शाखा सतना / पूर्व जेल चिकित्सक केंद्रीय जेल सतना के मार्गदर्शन में, जेल अधीक्षक लीना कोष्टा के नेतृत्व में व विनय त्रिपाठी, समाजसेवी सतना के संयोजन में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में डॉ. ललित गुप्ता, डॉ. आलोक खन्ना, डॉ. हरि अग्रवाल, डॉ.क्षितिज गुप्ता, डॉ. अपर्णा अग्रवाल, डॉ.आशीष गुप्ता, डॉ. आभा अग्रवाल, डॉ.इशिता अग्रवाल, डॉ. रूचि, डॉ. सौम्या मिश्रा, डॉ. रोली खन्ना, डॉ. यशवी गुप्ता, डॉ. सुमित अग्रवाल, डॉ. सुनील अग्रवाल, डॉ. विपिन मिश्रा, डॉ. योगेश शुक्ला, डॉ. आलोक भारती, डॉ. हीरेन्द्र सिंह, डॉ. एन के नेमा, डॉ. प्रदीप्ति जैन, डॉ. रेशु जैन, डॉ. विपिन दुबे परीक्षण किया गया।

482 बंदियों का किया गया उपचार

शिविर के दौरान नेत्र रोग से ग्रसित 134 बंदियों, अस्थि रोग से ग्रसित 86 बंदियों, मानसिक रोग से ग्रसित 11 बंदियों, मेडिसिन से ग्रसित 90 बंदियों, दन्त रोग से ग्रसित 39 बंदियों, सर्जिकल से ग्रसित 63 बंदियों, चर्म रोग से ग्रसित 47 बंदियों, स्त्री एवं प्रसूति रोग से ग्रसित 12 महिला बंदियो, शिशु रोग से ग्रसित 05 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किया। जेल में कुल 482 बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किया गया, जिसमें 428 पुरुष बंदी, 54 महिला बंदी व 05 बच्चे सम्मिलित रहे।

चिकित्सकों की टीम का जताया आभार

जेल अधीक्षक द्वारा जेल में बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण व उपचार हेतु विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित करने में महती भूमिका निभाने हेतु डॉ राकेश अग्रवाल, डॉ एनके नेमा का आभार व्यक्त किया गया और साथ ही जेल में उपस्थित होकर बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किये जाने हेतु समस्त चिकित्सकीय टीम का भी आभार व्यक्त किया गया। जेल स्टॉफ द्वारा विशेष स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में पूर्ण योगदान किये जाने हेतु धन्यवाद दिया गया।

ये रहे मौजूद

इस शिविर में जेल अधीक्षक लीना कोष्टा, जेल उपअधीक्षक श्रीकान्त त्रिपाठी, जेल उपअधीक्षक सोनबीर सिंह कुशवाह, कल्याण अधिकारी अनिरूद्ध कुमार तिवारी, सहायक जेल अधीक्षक फिरोजा सिंह, सहायक जेल अधीक्षक व अष्टाकोंण अधिकारी अनिल प्रताप सिंह जेल चिकित्सालय स्टॉफ, राज्य अध्यापक संघ के शैलेन्द्र त्रिपाठी सहित जेल स्टॉफ व बंदीगण उपस्थित रहे।

विन्ध्य चेंबर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यो का किया सम्मान

व्यापारियों की समस्याओं के समाधान व हितों की रक्षा के लिए काम करेगी नई टीम

नगर संवाददाता, सतना।

व्यापारियों की अग्रणी संस्था विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स की नवनिर्वाचित टीम का पार्षद मनीष टेकवानी वरिष्ठ समाजसेवी गंगाराम होतवानी एवं पूरी टीम द्वारा औद्योगिक क्षेत्र साईं सिमरन पॉलिमर्स में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी राजल दास आडवाणी एवं चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोहर वाधवानी, महामंत्री, मनोज कटारे, मंत्री मनोज अरोड़ा, कोषाध्याय अमित अग्रवाल, सहमंत्री हिमांशु सिंह अरोड़ा ,कार्यकारिणी सदस्य विनोद गेलानी एवं मनोज गुप्ता का विभिन्न व्यापारी एवं सामाजिक संगठनों द्वारा गर्मजोशी के साथ सम्मान किया गया। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों का पुष्पमाला,शॉल एवं श्रीफल भेंट कर अभिनंदन किया गया तथा उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी गई। सम्मान समारोह में सर्वप्रथम समाजसेवी संजय वाधवानी ने आए हुए अतिथियों एवं उपस्थित सम्मानीयगणों का शब्दों से स्वागत किया। सम्मान समारोह में महामंत्री मनोज कटारे ने उद्बोधन में कहा कि विंध्य चेंबर सदैव व्यापारियों की समस्याओं के समाधान,उनके हितों की रक्षा तथा शहर के विकास के लिए सक्रिय भूमिका निभाता है।

सुखेजा ने जताया आभार

नवनिर्वाचित अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने सर्वप्रथम सभी व्यापारियों को साधुवाद देते कहा आपने हम पर पुनः विश्वास किया है मैं आपको विश्वास दिलाता हूं नवनिर्वाचित टीम और अधिक सशक्त होकर व्यापारियों की आवाज़ को प्रभावी ढंग से प्रशासन एवं शासन तक पहुंचाएगा। कार्यक्रम में कन्हैयालाल पोहानी, दीपक वलेचा, विशाल राजपाल बिट्टू ने भी अपने- अपने विचार व्यक्त कियाइस अवसर पर श्री सुखेजा को तलवार भेट की गई एवं छातों से तोला गया यह छाते जरूरतमंदों में वितरण भी किया गया

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम का सफल संचालन कन्हैयालाल कामदार ने किया एवं आभार पार्षद मनीष टेकवानी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर रमेश बाशाणी ,महेश गांधी, लखमीचंद पुरुस्वानी, भागचंद वासवानी, ममू वासवानी, पंकज आहूजा, घनश्याम दास मंघरानी, सुदामामल तीर्थवानी, डॉक्टर प्रकाश सिंह, दिलीप सोनी, सुनील होतवानी, संजय वाधवानी, केशव मखीजा, संजय आहूजा, विकास सुखेजा, रूपेश वलेचा, दिलीप जिंदवानी, मनीष होतवानी, मंशी नोज, संतोष होटवानी एवं अनेक समाजसेवीगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सीनियर नेशनल पेंचक सिलाट में माया कराते क्लब के खिलाड़ी अमित व सर्वेश का चयन

नगर संवाददाता, सतना।

माया कराते क्लब, सतना के लिए गर्व का विषय है कि क्लब के दो प्रतिभाशाली खिलाड़ियों अमित रजक एवं सर्वेश वर्मा का चयन सीनियर नेशनल पेंचक सिलाट चैंपियनशिप-2026 के लिए हुआ है। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता 6 से 8 जुलाई 2026 तक स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (स्रद्ब) ट्रेनिंग सेंटर, इंडोर स्टेडियम, हृश्व॥ कैंपस, शिलांग (मेघालय) में आयोजित होगी। दोनों खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया है। चयनित खिलाड़ी मध्य प्रदेश पेंचक सिलाट टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे।

क्लब के संचालक एवं मुख्य प्रशिक्षक शिहान गुड्डू कनौजिया ने बताया कि खिलाड़ियों का चयन उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मध्य प्रदेश, सतना जिला एवं माया कराते क्लब का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर सतना जिला पेंचक सिलाट एसोसिएशन के संरक्षक राजेश कैला, अध्यक्ष शंभू चरण दुबे, सचिव चाहत केशरवानी, उपाध्यक्ष शिवम जोली तथा माया कराते क्लब के अध्यक्ष डॉ. हेमंत कुमार डेनियल, कोच शिहान गुड्डू कनौजिया सहित क्लब के सदस्य शुभम जोली, रुक्मणी मिश्रा, सुनील वाल्मिक, सतीश चौधरी, अमर कछवाहा, अरुण सिंह परिहार, शिवम मलिक एवं वीरेंद्र सहाय सक्सेना तथा समस्त क्लब परिवार और अभिभावकों ने दोनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं।

संक्षिप्त समाचार

दलाई लामा के 91वें वर्ष पर आज से करुणा सप्ताह का आयोजन

रीवा। भारत तिब्बत मैत्री संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने बताया कि करुणा के प्रतीक परम पावन दलाई लामा जी के 91 वें वर्ष के अवसर पर आगामी 6 जुलाई से 12 जुलाई 2026 तक करुणा सप्ताह के रूप में मनाने के लिए देश की विभिन्न इकाइयों एवं केंद्रों पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस दौरान तिब्बत की समस्या ,हिमालय तथा भारत की सुरक्षा से सबंधित संगोष्ठी ,पर्चा वितरण, भारत-तिब्बत मैत्री मेला, चित्र प्रदर्शनी, परम पावन दलाई लामा एवं तिब्बत से सबंधित निबंध तथा वाद विवाद प्रतियोगिता, तिब्बत समर्थन शैक्षणिक यात्रा आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा । रीवा के तुलसी नगर वार्ड नंबर 10 में भी दलाई लामा के जन्मदिन पर 6 जुलाई को अपराह्न 3 बजे से भारत तिब्बत मैत्री विचार संवाद रखा गया है।

नगर निगम का विशेष सम्मिलन आज

रीवा। नगर पालिक निगम, रीवा की 20वीं विशेष सम्मिलन 07 जुलाई 2026 को दोपहर 12 बजे नगर निगम स्पीकर व्यंकटेश पाण्डेय की अध्यक्षता में नगर पालिक निगम रीवा स्थित परिषद सभाकक्ष में आयोजित की गई है। पार्षदों की मॉग पर विशेष सम्मिलन में रीवा नगर की सफाई व्यवस्था,नगर निगम रीवा क्षेत्रांतर्गत कराये जा रहे निर्माण कार्यों,केन्द्र एवं राज्य शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन,रीवा नगर की पेयजल व्यवस्था एवं नगर में सीवर रेस्टोरेशन के कार्य पर चर्चा की जाएगी।

शेरा सिंह ने शुरू किया थर्ड आई फॉर जस्टिस संगठन

रीवा। एडवोकेट राजीव सिंह परिहार शेरा ने अपने सैकड़ो साथियों के साथ सामाजिक संघठन थर्ड आई फॉर जस्टिस संघठन की शुरुआत की। शेरा सिंह ने कहा कि संगठन आम जन की समस्याए और उनके निराकरण के लिए और भ्रष्टाचार के खिलाफ करेगा काम। जल्द ही संगठन जिले के कार्यकारिणी की घोषणा की जायेगी।

महाराजा पब्लिक स्कूल बेला में वृहद स्तर पर रोपे गये पौधे

■ एक पौधा-एक जीवन का लिया गया संकल्प

रीवा (नगर संवाददाता)

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को लेकर महाराजा पब्लिक स्कूल बेला, रीवा में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के आयोजक एवं महाराज ग्रुप के चेयरमेन देवेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि मानव जीवन को स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के अपर सचिव सत्यनारायण चतुर्वेदी रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा प्रत्येक नागरिक को जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाकर उसका संरक्षण करना चाहिए।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख अतिथि एवं गणमान्यजन वरिष्ठ अधिवक्ता अखंड प्रताप सिंह सेंगर, वरुणेंद्र प्रताप सिंह प्राचार्य सीएम राइज स्कूल रीवा, अखंड प्रताप मिश्र रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर, सुरेंद्र सिंह राष्ट्रीय कराटे संघ के पूर्व अध्यक्ष, आनंद सिंह डायरेक्टर महाराजा पब्लिक स्कूल बेला, मुकेश तिवारी वरिष्ठ समाजसेवी, शाश्वत पाण्डेय वरिष्ठ परिजन अखिल विश्व गायत्री परिवार मथुरा, रविंद्र सिंह जिला समन्वयक गायत्री परिवार,राजेंद्र शुक्ला संचालक युवा गायत्री स्कूल एवं गायत्री शक्तिपीठ रीवा ट्रस्ट, देवेंद्र द्विवेदी अध्यक्ष जय महाकाल सेवा संघ, मोती पाण्डेय कांट्रेक्टर, राजेंद्र सिंह बघेल रिटायर्ड तहसीलदार, इंजी. शिवलाल तिवारी इंजी. सी.एम. शुक्ला, इंजी. के.पी. सिंह, हर्ष लाल शुक्ल रिटायर्ड जिला शिक्षा अधिकारी, विपिन पाण्डेय, प्राचार्य शंखधर सिंह , पूर्व प्राचार्य मिथलेश सिंह, देशराज सिंह, श्रीनिवास तिवारी, शीतला सिंह, रमाकांत तिवारी, परमानंद चतुर्वेदी, जे.पी. मिश्र, अशोक कुमार मलानी, विनोद शर्मा, मिथिलेश सिंह, नारायण चतुर्वेदी, ज्ञान मिश्रा विनोद पाण्डेय नि. मंडी सचिव, सुरेंद्र तिवारी, आनंद द्विवेदी, इंजी. सुशील कुमार द्विवेदी, इंजी. हरीश तिवारी के अलावा कार्यक्रम में विद्यालय परिवार से प्राचार्य थॉमस परूआ, वार्डन संजीत सिंह सहित हॉस्टल के छात्र एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए एक पौधा-एक जीवन का संकल्प लिया। अंत में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर जनजागरण चलाने का संकल्प लिया गया।

सरकार की नल जल योजना बनी मजाक, हुआ करोड़ों का भ्रष्टाचार: योगेंद्र

रीवा (नगर संवाददाता)

प्रदेश भर में सरकार द्वारा बड़ी तेजी से नल जल योजना की शुरुआत की गई लेकिन धीरे-धीरे ठंडे बस्ते में जाती रही। अधिकार विकास पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेंद्र तिवारी ने कहा कि ठेकेदारों द्वारा बनाई गई पानी की अधूरी टंकियां जगह जगह देखने को मिल जाएगी,इतना ही नहीं अपितु अभी ज्यादातर अधूरी टंकियां बनी हुई है । योगेंद्र तिवारी ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में पाईप लाइन सप्लाई के लिए खोदे गए गड्ढे नहीं भरे गए टूटी पाईप कबाड़ में तब्दील हो चुकी है,जगह-जगह गड्ढे होने के कारण आवागमन बाधित हो गया है। श्री तिवारी ने बताया कि केन्द्र सरकार की नल जल योजना मात्र एक मजाक बन कर रह गई,इस पर कोई भी जनप्रतिनिधि बोलने को तैयार नहीं है।

गिट्टी बालू सीमेंट पहुंचा ठीकेदारों के घर

योगेंद्र तिवारी ने कहा कि जगह जगह खोदी गई पाईप लाइन सप्लाई को बंद करके हेतु उपयोग किए जाने वाले गिट्टी बालू और सीमेंट ठीकेदारों के घर पहुच चुके हैं जिससे सड़कों पर बड़े बड़े गड्ढे हो गए और ठीकेदार नदारत हों गये है। आखिर नल जल योजना में किए गए करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार की जांच कौन करेगा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर

विचार गोष्ठी व प्रदर्शनी राजकपूर ऑडिटोरियम में संपन्न

रीवा (नगर संवाददाता)

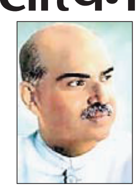

भारत के महान राष्ट्रवादी चिंतक, शिक्षाविद एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में 6 जुलाई सोमवार को शाम 3 बजे विचार गोष्ठी एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता करेंगे। इस अवसर पर रीवा लोकसभा सांसद जनार्दन मिश्रा , प्रदेश मंत्री श्रीमती अर्चना सिंह एवं विधायकगण विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण में योगदान, उनके विचारों एवं बलिदान पर प्रकाश डाला जाएगा। साथ ही प्रदर्शनी के माध्यम से उनके जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों का प्रदर्शनी में दिखाया जाएगा। जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, मातृशक्तियों, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर डॉ. मुखर्जी के विचारों को आत्मसात करने का आग्रह किया है।

भाकपा जिला परिषद की बैठक संपन्न

रीवा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) रीवा जिला परिषद की बैठक 6 जुलाई को दोपहर 12 बजे मानस भवन रीवा में आयोजित की जाएगी। बैठक में पार्टी के सहायक राज्य सचिव एवं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य कामरेड हरिद्वार सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। बैठक में पार्टी के संगठनात्मक विस्तार एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। विशेष रूप से पार्टी सदस्यता अभियान की समीक्षा, 06 अगस्त से 15 अगस्त तक प्रस्तावित पदयात्रा की रूपरेखा, 01 सितम्बर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाली विशाल रैली की तैयारियों तथा उसके सफल संचालन की रणनीति पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

इंजीनियरिंग कालेज की बैठक में विकास को लेकर कई प्रस्ताव पारित

रीवा (नगर संवाददाता)

रीवा इंजीनियरिंग महाविद्यालय में 4 जुलाई को तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मध्य प्रदेश शासन इंदर सिंह परमार की अध्यक्षता में रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के शासी निकाय संचालक मंडल एवं साधारण सभा की 23वीं बैठक संपन्न हुई। बैठक में सांसद रीवा जनार्दन मिश्र, विधायक इंजी. नरेन्द्र प्रजापति ,प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के प्रतिनिधि डॉ. संतोष कुमार गांधी (ऑनलाइन), आयुक्त तकनीकी शिक्षा संचालनालय के प्रतिनिधि डॉ. वाय.एस. ठाकुर (ऑनलाइन), डॉ. सुधीर सिंह भदौरिया,आर.एस. शर्मा,विष्णु अग्रवाल,डॉ. योगेन्द्र कुमार तिवारी,सूर्य प्रताप तिवारी, डॉ.अमिताभ अवस्थी,डॉ. आरपी. तिवारी प्राचार्य रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज ,डॉ. डीके जैन, डॉ. अशोक कुमार दोहरे, डॉ. संदीप कुमार पाण्डेय ,जैनेन्द्र साहू एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे। बैठक में प्राचार्य आर.पी. तिवारी द्वारा संस्था हेतु 2026-27 के लिए विकास के विभिन्न एजेंडा प्रस्तुत किए गए । भवन एवं अन्य मरम्मत कार्य हेतु कुल 78.21 लाख रुपए की स्वीकृति ,विभिन्न विभागों के उपकरणों एवं फर्नीचर क्रय हेतु 82.36 लाख रुपए की स्वीकृति, संस्था में सेन्टर स्थापित करने की स्वीकृति, संस्था में 05 नवीन यूजी तथा 09 पीजी पाठ्यक्रम प्रारंभ करने हेतु सैद्धांतिक स्वीकृति, पीएचडी पाठ्यक्रम हेतु शुल्क निर्धारण, सीएम संकल्प योजना के तहत कोडिंग लैब में प्रशिक्षण के संबंध में व्यय की स्वीकृति,प्रतिवर्ष 10 मार्च को संस्था का स्थापना दिवस आरईसी डे को टेक फेस्ट के रूप में मनाने की स्वीकृति,संस्था के नवीन लोगों एवं ध्येय वाक्य के प्रस्ताव का अनुमोदन, नगर पालिका निगम रीवा द्वारा अधिरोपित सेवा प्रभार के भुगतान हेतु राशि की स्वीकृति, संस्था के शिक्षकों को कैरियर संवर्धन योजना का लाभ प्रदान करने की स्वीकृति, संस्था के प्राध्यापकों को पीएचडी /उच्च शिक्षा हेतु अनुमति प्रदान की गई ।

अखिलेश यादव नहीं उठाते आवाज तो चोरी का नहीं होता खुलासा: शिव सिंह

रीवा (नगर संवाददाता)

अयोध्या राम मंदिर चोरी मामले पर बड़ा हमला बोलते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव शिव सिंह एडवोकेट ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक स्थल जिसको भाजपा ने राजनीति का अखाड़ा बनाकर देश की सत्ता को हथियानें का काम किया और उन्हीं के कार्यकाल में वहीं सबसे बड़ी डकैती पड़ी। शिव सिंह ने यह भी कहा कि सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव यदि आवाज नहीं उठाते तो दुनिया की अब तक की सबसे बड़ी चोरी का खुलासा नहीं होता। शिव सिंह ने देश के प्रधानमंत्री पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि राम मंदिर निर्माण से लेकर शुभारंभ तक के तमाम कार्यक्रमों में बतौर प्रमुख जिनकी उपस्थिति रही है वह राम मंदिर में इतनी बड़ी वारदात होने के बाद भी चुप हैं। अयोध्या राम मंदिर की घटना करोड़ों लोगों के आस्था की हत्या है। आज यह स्पष्ट हो चुका है कि जो देश की सरकार में बैठे हैं वह देश बेच रहे हैं तथा जो मठ मंदिरों में बैठे हैं वह वहीं चोरी कर रहे हैं। मतलब चोर चोर मौसेरे भाई वाली कहावत सही प्रतीत होती है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के लोग यदि इस मामले पर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की मजबूती से आवाज बनेंगे तो आगे बड़े चोरों का भी खुलासा होना निश्चित है।

लोकतांत्रिक जवाबदेही व पारदर्शिता को मजबूत करने पर बेवीनार में चर्चा

रीवा (नगर संवाददाता)

आरटीआई और लोकतांत्रिक जवाबदेही विषय पर 315वें आरटीआई एवं कानूनी वेबिनार का आयोजन किया गया। इस बैठक में मुख्य वक्ता आरटीआई रिसोर्स पर्सन वीरेंद्रकुमार ठक्कर, मध्य प्रदेश के पूर्व राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह एवं आत्मदीप सहित कई कानूनी विशेषज्ञों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। वेबिनार में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के संवैधानिक महत्व, इसके प्रभावी कार्यान्वयन और जमीनी स्तर पर आने वाली चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य वक्ता वीरेंद्रकुमार ठक्कर ने स्पष्ट किया कि आरटीआई केवल एक वैधानिक कानून नहीं है, बल्कि यह संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) (भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता), अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) के तहत एक मौलिक अधिकार के रूप में निहित है। उन्होंने इसके विकासक्रम को रेखांकित करते हुए बताया कि कैसे 1996 के जन आंदोलनों (जैसे राजस्थान में मजदूर किसान शक्ति संगठन की जनसुनवाई)से होते हुए अक्टूबर 2005 में यह एक राष्ट्रव्यापी सशक्त कानून बना। आरटीआई मुख्य रूप से तीन स्तंभों पर काम करता है जिनमें सरकारी विभागों द्वारा स्वतः जानकारी सार्वजनिक करना,नागरिकों द्वारा आवेदन करने पर 30 दिनों के भीतर सूचना देना, सूचना न देने पर अपील प्रक्रिया और लोक सूचना अधिकारियों पर दंड का प्रावधान। प्रतिभागियों को सलाह दी गयी कि वे केवल शिकायतें दर्ज कराने के बजाय अपील मार्ग का अधिक उपयोग करें, क्योंकि अपीलीय प्राधिकारियों के पास व्यापक अधिकार क्षेत्र होता है और वे जुर्माना भी लगा सकते हैं। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया गया कि आरटीआई को सूचना प्राप्त करने का एकमात्र जरिया न मानकर अन्य वैकल्पिक कानूनी रास्तों का भी इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

सकारात्मक चिंतन से तनावमुक्त जीवन पर हुआ व्याख्यान

रीवा (नगर संवाददाता)

ब्रह्मा कुमारीज मुख्यालय माउंट आबू से पधारे वरिष्ठ राजयोगी बीके राजू ने ब्रह्मा कुमारीज इन्द्रानगर सेवाकेंद्र में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खुशनुमा, तनावमुक्त जीवन एवं स्वस्थ्य विषय पर उद्बोधन दिया उन्होंने कहा कि आज के भागदौड़ भरे जीवन में तनाव अनेक शारीरिक और मानसिक समस्याओं का प्रमुख कारण बन गया है। यदि व्यक्ति अपने जीवन में आध्यात्मिकता, सकारात्मक चिंतन और राजयोग मेडिटेशन को अपनाए, तो वह तनावमुक्त, स्वस्थ एवं आनंदमय जीवन जी सकता है।

कार्यक्रम में भोपाल जोन से पधारे बीके प्रकाश ने कहा कि आध्यात्मिक जीवनशैली व्यक्ति के व्यक्तित्व को सशक्त बनाती है तथा समाज में प्रेम, सहयोग और सद्भाव की भावना विकसित करती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक, भाई-बहन एवं राजयोग साधक उपस्थित रहे और सभी ने तनावमुक्त एवं स्वस्थ जीवन जीने का संकल्प लिया।

शादी का झांसा देकर दुराचार करने वाले आरोपी को भेजा गया जेल

रीवा (नगर संवाददाता)

सिरमौर थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार 4 जुलाई को पीड़िता ने सिरमौर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा के निर्देशन तथा एसडीओपी सिरमौर प्रतिभा शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी दीपक तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अपराध दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया। इसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान

अनीस कोल उर्फ डॉक्टर 20 वर्ष, पिता अच्छेलाल कोल, निवासी ग्राम जुड़मानिया, थाना लौर, जिला मऊगंज के रूप में हुई है।

वाहनों की कार्य क्षमता प्रभावित होगी

पेट्रोल में एथेनॉल की मिलावट आम उपभोक्ताओं के साथ ठगी और संगठित लूट: अजय खरे

रीवा (नगर संवाददाता)

समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि आम उपभोक्ताओं को विश्वास में लिए बिना पेट्रोल में एथेनॉल मिलाकर बेचना सरासर धोखाधड़ी और संगठित लूट है। श्री खरे ने कहा कि तरल ईंधन में मिलावटखोरी से देश के करोड़ों वाहनों की कार्य क्षमता प्रभावित होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। जब मोदी सरकार सुप्रीम कोर्ट में खुद कह रही है कि यह प्रयोग है और इसके परिणाम अगले वर्ष तक आएंगे ऐसी स्थिति में अभी इसे कैसे विश्वसनीय माना जा सकता है। श्री खरे ने कहा कि कोई भी प्रयोग आम लोगों पर उस समय तक लागू नहीं किया जाता जब तक वह कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। श्री खरे ने कहा कि अच्छे खासे मोटर वाहनों को 15 साल में यह कहकर बाहर कर दिया जाता है कि अब उसकी उम्र पूरी हो गई है।

अच्छे इंजन और बाडी को भी नजर अंदाज कर दिया जाता है। बाजार में नई गाड़ियों की खपत बढ़ाने के लिए ऐसे नियम बनाए गए हैं। श्री खरे ने बताया कि पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने के नाम पर आम उपभोक्ता को भ्रमित किया जा रहा है। यह प्रचारित किया गया कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के कारण वाहन ईंधन खर्च काफी कम हो जाएगा। उसकी कार्यक्षमता और माइलेज भी बढ़ेगा। श्री खरे ने कहा कि भारत में अधिकांश लोगों की यह क्षमता नहीं है कि वह बार-बार गाड़ियां बदल सके और नई गाड़ियां खरीद सके। बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जो इस्तेमाल की गाड़ियों को ही खरीदते हैं। भारत जैसे विकासशील देश में आम आदमी का जीवन भी चूहों बिल्लियों की तरह बना दिया है। लोकतंत्र सेनानी श्री खरे ने सवाल किया कि आखिरकार एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का प्रयोग केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्यों की निजी उपयोग की गाड़ियों में क्यों नहीं किया जा रहा है ?

जलभराव क्षेत्रों के नालों की हुई साफ-सफाई

रीवा (नगर संवाददाता)

नगर निगम रीवा द्वारा वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए शहर के प्रमुख जलभराव वाले क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर नाला गैंग द्वारा सफाई कार्य कराया जा रहा है। इसी क्रम में नगर निगम के नाला गैंग द्वारा वार्ड क्रमांक 07 सिरमौर चौक एवं वार्ड क्रमांक 12 सुभाष तिराहा क्षेत्र के आसपास जलभराव की स्थिति को देखते हुए नालों के चेंबर खोलकर व्यापक स्तर पर सफाई कार्य किया गया। नाला गैंग द्वारा नालों की तली में जमी गाद, मिट्टी, प्लास्टिक, पॉलीथिन, कचरा एवं अन्य अवरोधों को हटाकर जल प्रवाह को सुचारु बनाया गया, जिससे वर्षा का पानी तेजी से निकल सके और नागरिकों को जलभराव की समस्या से राहत मिल सके। इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 04 चोरहटा में नाला गैंग द्वारा सतपुड़ा आईटीआई के सामने स्थित बड़े नाले की व्यापक सफाई कराई गई। वहीं वार्ड क्रमांक 26 की जनार्दन कॉलोनी में नगर निगम की टीम द्वारा नाले की सफाई कराकर कच्ची नाली का निर्माण किया गया, जिससे जल निकासी सुनिश्चित हो सके। इसके अतिरिक्त वार्ड क्रमांक 26 में ही शिल्पी ग्रीन के सामने तथा वार्ड क्रमांक 05 दुर्गा कॉलोनी में स्थित बड़े नाले की जेसीबी मशीन की सहायता से व्यापक सफाई कराई गई।

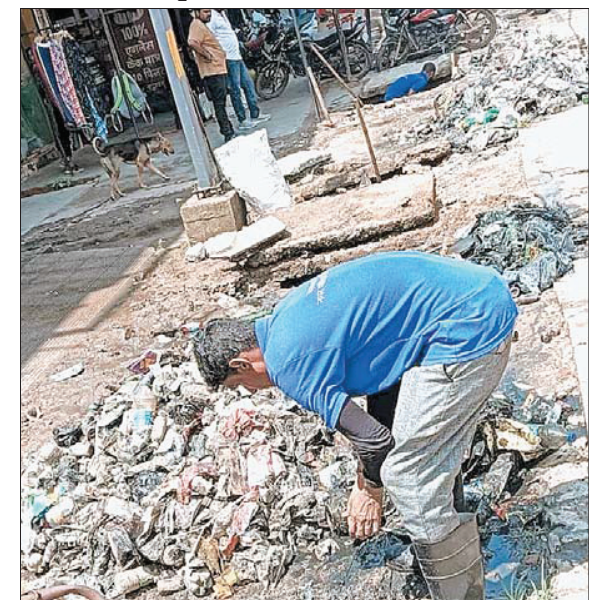

संपादकीय

भारत क्यों करे बात

पाकिस्तान की पैरवी करने वाले 117 चेहरे क्या पहलगाम का नरसंहार भूल गए? क्या पुलवामा में 40 'शहीदों' की कुर्बानी भूल गए? क्या उरी से लेकर 26/11 मुंबई आतंकी हमले तक पाकपरस्त शैतानों और हत्यारों की साजिशें भी भूल गए? क्या इन पैरोकारों ने आतंकवाद में अपने किसी परिजन को खोया है? यह पीड़ा, हत्या, दर्द, खालीपन, सूने आंगन, उजड़े सिंदूर को कैसे और कौन भूल सकता है? लिहाजा, भारत पाकिस्तान के साथ बातचीत क्यों करे? एक आतंकिस्तान देश को सबक सिखाना चाहिए अथवा संवाद के जरिए मुहब्बत का इजहार करना चाहिए? जो 117 लोग आज पाकिस्तान की पैरवी कर रहे हैं, क्या वे भूल गए कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी जारी है? आखिर भारत की मजबूरी क्या है, जो वह पाकिस्तान की आतंकी, हत्यारी हुकूमत के साथ बातचीत करे? उस भूखे, नंगे, कर्जदार देश के पल्ले क्या है, जो वह भारत को मुहैया करा सकता है? और फिर क्या गारंटी है कि संवाद और संबंधों की बहाली के बाद सरहदों पर तनाव ठहर जाएगा? सीमापार से आतंकी भेजे नहीं जाएंगे? वैश्विक मंचों पर, कश्मीर की आड़ में, भारत-विरोधी दुष्प्रचार थम जाएंगे? सांप की फितरत बदली है कभी?

जिन 117 लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी और कथित प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को खुला पत्र लिख कर भारत-पाक संवाद और बेहतर, कारगर संबंधों की गुहार की है, उनमें जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के अलावा, पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर और सैफुद्दीन सोज भी शामिल हैं। मणिशंकर ने सलमान खुर्शीद के साथ पाकिस्तान जाकर गुहार की थी कि मोदी सरकार हटाने में मदद करें। यह नवंबर 2015 का वाकया है। दोनों नेताओं का कहना था कि मोदी को हटाए बिना भारत-पाक संबंध बेहतर नहीं हो सकते। खुफिया एजेंसी रॉ के प्रमुख रहे एएस दुल्लत भी सूची में हैं, जो पाकिस्तान की रूह तक से वाकिफ हैं और कई आतंकी हमलों के साक्षी रहे हैं। क्या इनमें से किसी ने भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि आतंकी सांपों को पालना बंद करें? उनके अड्डे खत्म किए जाएं। हुकूमत और फौज आतंकियों की आर्थिक मदद करना और उन्हें 'जेहादी समर्थन' देना भी बंद करें। पाकिस्तान के मंत्री धमकी दे रहे हैं कि हमने 130 परमाणु हथियार भारत के लिए रखे हैं। पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो आजकल 'एटमी युद्ध' की धमकी दे रहे हैं। एक नापाक मंत्री ने यहां तक कह दिया कि पानी को हाथ लगाया, तो हाथ तोड़ देंगे। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार सिंधु नदी का पानी रोकना युद्ध की कार्रवाई मानते हैं। क्या 'ऑपरेशन सिंदूर' के हमले भूल गया है पाकिस्तान, जिनमें उसके 11 एयरबेस को मिट्टी-मलबा कर दिया गया था? बहरहाल ऐसे आतंकी, धमकीबाज मंत्रियों की हुकूमत से भारत बात करेगा! क्यों करेगा? क्या ये 117 'रिटायर्ड चेहरे' भूल गए हैं कि पाकिस्तान में बसे और सक्रिय आतंकियों ने हमारे 40 हजार से अधिक बेगुनाह लोगों की हत्याएं की हैं? मठ-मंदिर ध्वस्त किए हैं? औरतों की आबरू, अस्मत लूटी है? पाकिस्तान में कौन लोग हैं, जो आपसी रिश्ते बेहतर चाहते हैं? अवाम को तो आटा, दाल, चावल, चीनी, फल-सब्जी भी मयस्सर नहीं है। क्या ऐसे अवाम को भयानक, कुरूप यथार्थों की पूरी जानकारी है? पाकिस्तान पहले बलूचिस्तान, खैबर, कथित आजाद कश्मीर में तो हालात शांत करे। जिसका अपना घर विभाजित है, टुकड़े-टुकड़े है, उससे भारत क्या बात करेगा और उससे क्या हासिल होगा?

भारत में नागरिकता साबित करने के दस्तावेज का सवाल

एस.वाय. कुरैशी

विदेश मंत्रालय ने हाल ही में स्पष्ट किया कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा का दस्तावेज़ है, न कि नागरिकता का पक्का सबूत। स्वत: संज्ञान वाले इस बयान ने एक पुरानी अहम बहस को फिर जिंदा कर दिया- क्या भारत को नागरिकता के प्रमाण लिए किसी एक, पक्के सबूत की ज़रूरत है?

लोगों की प्रतिक्रिया हैरानी भरी थी। यदि पासपोर्ट भी पक्का सबूत नहीं, तो फिर क्या है? क्या आधार नागरिकता का सबूत है? क्या वोटर आईडी कार्ड है? क्या कोई ऐसा दस्तावेज़ है जो इस सवाल को हमेशा के लिए सुलझा दे? सीधा जवाब है- नहीं। भारत में कभी भी नागरिकता का कोई एक, सर्वमान्य दस्तावेज़ नहीं रहा। उलझन इसलिए पैदा होती है कि हम तीन अलग-अलग अवधारणाओं, पहचान, निवास और नागरिकता, को एक ही मान लेते हैं। वे आपस में जुड़ी हैं, लेकिन एक जैसी नहीं। आधार कार्ड पहचान व निवास की पुष्टि करता है। पासपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय यात्रा में सहायक है। वोटर आईडी कार्ड वोट देने की पात्रता बनाता है। इनमें कोई भी सभी उद्देश्यों के लिए नागरिकता का कानूनी व पक्का सुबूत नहीं, हालांकि आखिरी दो केवल नागरिकों को ही जारी किए जाते हैं। भारत में नागरिकता 'नागरिकता अधिनियम, 1955' के मुताबिक तय होती है और यह जन्म, वंशावली, पंजीकरण या देशीयकरण (तय न्यूनतम अवधि तक निवास) के ज़रिए मिलती है। व्यावहारिक तौर पर, इसे किसी एक पक्के प्रमाण-पत्र की बजाय कई रिकॉर्ड्स का मिलान कर स्थापित किया जाता है। अनेक देश नागरिकों का रजिस्टर रखते हैं या नागरिकता पहचान पत्र जारी करते हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और मालदीव के पास ऐसे कार्ड हैं। अधिकांश यूरोपीय देशों में भी ऐसा है। दूसरी तरफ अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश हैं, वहां मामला जन्म रिकॉर्ड, पासपोर्ट और अन्य आधिकारिक दस्तावेज़ों पर निर्भर है। भारत बाद वाले देशों जैसा है- हमारे पास कई पहचान प्रणालियां हैं, लेकिन नागरिकता का कोई एक सर्वमान्य सबूत नहीं। आधार कार्ड का अनुभव सीखने लायक है। साल 2009 में शुरू किए गए आधार कार्ड को निवासियों की विशिष्ट पहचान के साधन के तौर पर डिज़ाइन किया गया था, ताकि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बेहतर ढंग से पहुंचाया जा सके और दोहरापन खत्म हो। इसे जानबूझकर नागरिकता से अलग रखा गया था, नहीं पता क्यों। इसका नामांकन निवास के आधार पर किया गया था, न कि राष्ट्रीयता के। नतीजतन, आधार कार्ड कभी भी नागरिकता का सबूत नहीं रहा। मुझे लगता है, यह एक चूक थी। इसे दोहरे उद्देश्य वाले दस्तावेज़ के तौर पर बनाना चाहिए था। नागरिकता पर बहस सबसे नाटकीय ढंग से असम में फिर उभरी। जहां एनआरसी सर्वे सिर्फ़ पहचान साबित करने की प्रक्रिया नहीं थी; यह राज्य में अवैध रूप से आकर बसने के इतिहास से जुड़ी नागरिकता की जांच-पड़ताल प्रक्रिया थी। 1985 के असम समझौते के तहत निवासियों को सबूत देना था कि वे या उनके पूर्वज 24 मार्च, 1971 से पूर्व भारत में मौजूद थे। सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में हुई इस प्रक्रिया में हज़ारों अधिकारी शामिल थे, करीब 1,500 करोड़ रुपए खर्च हुए और पांच साल चली। फिर भी, नतीजा बहुत विवादित रहा। 2019 में जारी अंतिम सूची से करीब 19 लाख आवेदक बाहर कर दिये । जो लोग एनआरसी की मांग कर रहे थे, उनके मुताबिक, इसमें अभी भी अवैध प्रवासी ले लिये, जबकि बाहर किए कई लोगों का दावा था कि असली नागरिक छोड़ दिए। अंतिम आधिकारिक सूची अभी अधिसूचित नहीं की व अधर में है। तो यह प्रक्रिया विफल क्यों रही? इसका जवाब पुरानी तारीखों से नागरिकता साबित करने की जटिलता में छिपा है। लाखों आम भारतीयों को- जैसे गरीब, प्रवासी, महिलाएं, भूमिहीन मज़दूर और बाढ़ विस्थापित- दशकों पुराने दस्तावेज़ी सबूत पेश करने में मशक्कत करनी पड़ी। नाम में अंतर, रिकॉर्ड न मिलना या शादी के बाद नाम चेंज जैसी चीज़ों ने और मुश्किलें पैदा की। जब तीन करोड़ से ज़्यादा लोगों से आधी सदी से पुराने रिकॉर्ड के ज़रिए नागरिकता साबित करने को कहा जाए तो त्रुटियां स्वाभाविक है। अक्सर दी जाने वाली दलील कि पासपोर्ट या वोटर कार्ड जाली भी हो सकते हैं, लेकिन तब तो यह तर्क एनआरसी में जमा किए गए किसी भी दस्तावेज़ पर समान रूप से लागू होता है। जालसाज़ी का मुद्दा बेहतर जांच-पड़ताल वाली व्यवस्था बनाने की मांग करता है, न कि किसी दस्तावेज़ को खारिज करने की। असम का अनुभव एक बड़ा सवाल खड़ा करता है- अगर 3.3 करोड़ आबादी वाले एक राज्य में ही इतनी मुश्किलें आईं, तो क्या 145 करोड़ लोगों के साथ पूरे देश में ऐसी प्रक्रिया बिना बड़ी परेशानी संभव होगी? यहां सवाल सिर्फ़ प्रशासनिक नहीं; जनता पर भरोसे का भी है। चुनाव आयोग में छह साल बिताने के बाद, मैं जानता हूं कि नागरिक किसी भी ऐसी प्रक्रिया पर तीखी प्रतिक्रिया देते हैं जिसे वे बोझिल या खुद को बाहर कर दिए जाने वाली मानते हों। मतदाता सूची के हालिया स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न से जुड़े विवाद यही दर्शाते हैं। लोगों को सत्यापन से दिक्कत नहीं। दिक्कत तब होती है जब बार-बार पुराने दस्तावेज़ दिखाने और दफ्तर -दफ्तर भागने को कहा जाये। साथ ही, नागरिकता से जुड़ी किसी भी प्रक्रिया का विरोध तब होगा जब नागरिकों को लगेगा कि इसका मकसद चुनिंदा लोगों पर लागू करना या दंडित करना है। जनता को सुविधा मिले, न कि परेशानी। तो क्या भारत को नागरिकता का पक्के सबूत का विचार छोड़ देना चाहिए? कदापि नहीं। साल 2003 में संशोधित नागरिकता कानून में हर नागरिक का अनिवार्य पंजीकरण, भारतीय नागरिकों का राष्ट्रीय रजिस्टर तैयार करने और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने की बात कही गई है। संलग्न नियमों में, नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर बनाना, तदनुसार सत्यापन एवं एनआरसी तैयार करने का प्रावधान था। इस तरह, कानूनी ढांचा करीब दो दशक से मौजूद है। कमी रही है क्रियान्वयन की नागरिक-हितैषी रूपरेखा बनाने और इसे निष्पक्ष एवं बिना जल्दबाजी लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की। वह रूपरेखा दो आधारों पर टिकी हो। पहला, जन्म का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन (जिसे 1969 के कानून से अनिवार्य किया गया था) यह भविष्य के नागरिकता रिकॉर्ड का आधार बनना चाहिए। इसके लिए मैं दोहरे तरीके का सुझाव देता हूं- एक, जिन लोगों के पास जन्म प्रमाण पत्र है (और ऐसे लगभग 80 करोड़ लोग हैं यानि 65-70 फीसदी), उन्हें सीधे-सीधे नागरिकता कार्ड दिया जा सकता है। दो, पुरानी पीढ़ियों के लिए, सरकार मुख्य रूप से मौजूदा रिकॉर्ड पर निर्भर रहे- वोटर लिस्ट, पासपोर्ट, सरकारी सेवा रिकॉर्ड, टैक्स फाइलिंग, पेंशन रिकॉर्ड और शैक्षणिक प्रमाण पत्र। ये दस्तावेज़ दशकों से सरकार द्वारा अपने नागरिकों को दी गई मान्यता दर्शाते हैं। कोशिश सबको साथ लेकर चलने की हो, न कि शक की। नागरिकता साबित करने का बोझ बार-बार आम नागरिकों पर नहीं पड़े; सरकार की ज़िम्मेदारी हो कि वह ठोस आधार पर साबित करे कि अमुक व्यक्ति की नागरिकता की स्थिति पर सचमुच शक है। भले ही इसमें 5-10 साल लगें। अवैध आप्रवासन एक वास्तविक चुनौती है और इसके गंभीर उपाय करने ज़रूरी भी हैं। लेकिन जो तरीके अपनाए जाएं, वे निर्दिष्ट और सबूत आधारित हों; न कि ऐसी जल्दबाजी वाली कार्रवाई, जिसमें कुछ संदिग्ध लोगों को पकड़ने को बनाए सरकारी जाल में लाखों असली नागरिक फंस जाएं और उन्हें परेशान होना पड़े। नागरिकता, व्यक्ति और राज्य के बीच का बुनियादी रिश्ता है।

(लेखक भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त हैं)

आग के राग और तपिश में भाग्य

सहीराम

नहीं जी नहीं, हमरी झोपड़िया में कोनो आग नहीं लगी है। यह तो दिलीप कुमार साहब की एक पुरानी फिल्म-सगीना महतो-का गाना है बस, कि आग लगी हमरी झोपड़िया में हम गावैं मल्हार। वैसे मानसून के आने और मेंह बरसने से पहले का यह सीजन झोपड़ियों में आग लगने का ही सीजन होता है। यह अलग बात है कि दिल्ली से लेकर लखनऊ तक आजकल बहुमंजिला इमारतों में भी आग लग जाती है और जाने-माने रेस्तरांओं में भी। वरना पहले तो झुग्गी-बस्तियां ही जलती थीं। खैर, अब तो बुलडोजर चलने लगे हैं, सिर्फ झुग्गी-बस्तियों पर ही नहीं, अच्छी-खासी कॉलोनियों पर भी।

अब सचमुच ही लगने लगा है कि झुग्गियों में आग लगना गुजरे जमाने की चीज हो गयी है। वरना पहले तो झुग्गियां क्या, गांव के गांव जल जाते थे। यहां तक कि खुद शासक ही गांव जला देते थे। फसलें जला देते थे। झुग्गी-बस्तियों को भी आग कुछ इसी तरह से लगती थी कि झुग्गी-बस्ती की जमीन अनमोल हो गयी है, सो जगह खाली करवानी है और उसे सेठ के हवाले करना है क्योंकि सेठ को वहां मॉल बनवाना है, सुपर बाजार बनवाना है, लग्जरी अपार्टमेंट्स और न जाने क्या-क्या बनाना है।

खैर जी, तब तो झुग्गियों की तरह ही बड़े-बड़े दफ्तरों में भी आग लगती थी और फाइलें जल जाती थीं। फाइलें दबाई तो जाती हैं, रिश्वत वगैरह के लिए, लेकिन फाइलें जलायी जाती हैं घोटालों को छुपाने के लिए। झुग्गियों में आग लगने की तरह ही दफ्तरों की फाइलें जलना भी बड़ा उपयोगी उद्यम रहा है। सुना है इस बार तो उन्होंने खुल्लमखुल्ला, घोषित रूप से हजारों-हजार फाइलें नष्ट कर डालीं। वैसे ही जैसे उनका बुलडोजर खुल्लमखुल्ला चलता है। यह फाइलें सिर्फ इसलिए नष्ट कर दी गयीं क्योंकि वे बरसों से धूल खा रही थीं, जगह घेर रही थीं और किसी काम की न थीं। लेकिल झुग्गियों का जलना या फाइलों का जलना तो बेशक पुरानी बात हो गयी हो, आग का लगना और जलाना पुराना नहीं हुआ है।

देख लो, अब बंगाल में ईवीएम मशीनों में आग लग गयी और हजारों-हजार मशीनें जल गयीं। ऐसे लगता है जैसे झुग्गियों को और फाइलों को किसी की नजर लग जाती थी और वे धू-धू करके जल जाती थीं, वैसे ही ईवीएम मशीनों को भी किसी की नजर ही लगी है। कोसने तो वे इतने दिन से सुन ही रही थी कि वे हैक हो रही हैं, उनसे छेड़छाड़ हो रही है वगैरह-वगैरह। लेकिन इतनी नजर लगने के बाद तो उन्हें जलना ही था। लेकिन झुग्गियां जलने से जैसे मॉल बनने का रास्ता साफ हो जाता था, वैसे ही ईवीएम जलने से कहीं तानाशाही का रास्ता साफ न हो जाए। डर तो डर है न साहब!

नहीं रहीं मशहूर पंडवानी गायिका तीजन बाई

डॉ. सुधीर सक्सेना

अभी खबर मिली कि तीजन बाई नहीं रहीं। तत्क्षण मेरे जेहन में बरसों पहले की उनसे हुई मुलाकात कौंध गयी। सर्द दिसंबर 1978 की एक शांत शाम थी, जब रायपुर की गुढ़ियारी बस्ती में अंधेरा धीरे-धीरे उतर रहा था। हल्की रोशनी में सिमटी उस बस्ती के किनारे एक साधारण तंबू खड़ा था, जिसके भीतर सीमित साधनों के बीच एक असाधारण व्यक्तित्व अपनी पहचान गढ़ रहा था। उसी छोटे से डेरे में पहली बार एक ऐसी लोक कलाकार से मुलाकात हुई, जिसने आगे चलकर पंडवानी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया- वह थीं तीजन बाई। हम एक श्यामल बरन अच्छे सौष्ठव की, पांच फुट से कुछ इंच ऊपर कद की खुशमिजाज महिला के अस्थायी डेरे पर थे। महिला की आंखों में बला की चमक थी और बात करते हुए वह जब-तब और तीक्ष्ण हो जाती थी। उसके होंठ पान की पीक से लाल थे और दांतों के किनारों पर लाल लकीरें थीं। जाहिर था कि वह पान की शौकीन है। जिस चीज ने सबसे पहले आकर्षित किया, वह था उसका गजब का आत्मविश्वास। झिझक से उसका वास्ता न था। याद पड़ता है कि वह चटख लाल रंग की साड़ी पहने थी, बेमेल ब्लाउज के साथ। चटख बिंदी। चांदी के थोड़े से आभूषण। करीने से काढ़े हुए केश। वह हंसती तो उसके दांत चमकते थे और साथ ही चमकता था उसका बिंदासपन। कोई बात काबिले-दाद होती तो वह बखुद अपनी जांघ पर थाप देकर आनंदित हो लेती थी।

तंबू में खटिया पर सामने बैठी इस साधारण छत्तीसगढ़िया औरत का 'कांफिडेंस-लेवल' औसत से काफी ऊंचा था और वह बातचीत में बरबस छलकता था। वही हुआ। देखते ही देखते वह लोककला के परिदृश्य में छा गयी। उसने सरहदें लांघी और उसकी ख्याति ने दिशायें। एक दशक के भीतर वह सेलिब्रिटी थी। सन् 1988 में उसे पद्मश्री से नवाजा गया। फिर तो पदकों की झड़ी लग गयी। यह वह स्त्री थी, जिसने आकाशवाणी से बतौर पारिश्रमिक पहला चेक लिया तो पावती में हस्ताक्षर न कर अंगूठा लगाया था। उस रात गुढ़ियारी में पहला दफा रूबरू हुई यह स्त्री थी तीजनबाई। वह आज भी हमारे बीच हैं। इस 24 अप्रैल को वह 66 साल की हो जायेगी। अब वह दादी मां हैं। उसकी ख्याति भी लंबा सफर तय कर चुकी है। सन् 2003 में उसे पद्मभूषण मिला और सन् 2019 में भारत के महामहिम राष्ट्रपति के हाथों पद्मविभूषण। पद्म पुरस्कारों से उसका सम्मान उस लोक कला का भी सम्मान है, जिसे उसने तमाम तकलीफें उठाकर निबाहा। रायपुर में गुढ़ियारी में सर्द दिसंबर में लालटेन की धुंधली रोशनी में लिया गया वह इंटरव्यू उसकी जिंदगी का पहला साक्षात्कार था। इस इंटरव्यू के निमित्त बने थे लोककला मर्मज्ञ निरंजन महावर। इंटरव्यू 'नवभारत', रायपुर में छपा था। उसकी कतरन मेरी बेतरतीब फाइलों के जखीरे में कहीं सुरक्षित है। जस की तस तो नहीं, मगर उसकी कही कुछ बातें स्मृति में हैं। तीजन का जन्मगांव इस्पात नगरी भिलाई से अनतिदूर है। जीरोमाइल से 14 किमी दूर गनियारी को अब भिलाई में ही मानिये। पिता

चुनुक लाल। मा

सुखमती। पांच भाई-बहनों में सबसे बड़ी। जाति की पारधी। उस अंत्यज समाज की जो मूलत: राजपूत समाज से संबद्ध होने के बावजूद जनजातियों में परिगणित है और आखेट तथा पक्षियों को पकड़ने के लिए जानी जाती है। पारधी परिन्दों को पकड़ने के लिए भांति-भांति के जाल या फंदे बुनने में निपुण होते हैं। बहरहाल महाराष्ट्र-गुजरात की अपेक्षा छत्तीसगढ़ में इनकी आबादी कम है। कई दशकों तक जरायमपेशों में शुमार पारधी अब घुमंतू जनजाति है। वे झाड़ू-चटाई, टोकरी आदि अच्छी बना लेते हैं। विडंबना देखिये कि जब जात-बाहर विवाह के कारण तीजन पारधी-समाज से निष्कासित हुई तो यही पेशा गांव के बाहर झोपड़ी बनाकर बर्तन-नाज-मांग-मूंगकर जीवनयापन में उसके काम आया, मगर यह स्थिति ज्यादा दिन तक नहीं रही। कला ने उसे दो जून की रोटी दी, नौकरी दी, सम्मान और प्रतिष्ठा दी और उसे उस पायदान पर लाकर खड़ा कर दिया, जहां तक पहुंचना विपन्न और हत्भाग्य पारधियों के लिए ख्वाब में भी दूभर था। तीजन को पंडवानी विरासत में मिली। मातृकुल से। उसके नाना बृजलाल पारधी पंडवानी कहते थे। बालपने में तीजन ने नाना से पंडवानी सुनी और वह उसे कंठस्थ हो गयी। तेरह की वय में समीपवर्ती गांव चंदखुरी में उसे पहली बार पंडवानी गायन का मौका मिला। दक्षिणा या चढ़ावे में मिले दस रुपये उसकी पहली कमाई थी। सवर्ण, विशेषत: ब्राह्मण रुष्ट हुए कि एक तो स्त्री और फिर पारधी होकर पवित्र कथा का वाचन। विरोध, लांछन, वर्जना का दौर चला।

तीजन में हठ भी था और भगवान कृष्ण में अटूट भक्ति भी। वे उसके स्वप्न में आते थे। जीवन कष्टों से बिंधा था। पहले पति से अलग हुई। दूसरा पति जालिम निकला। वह अक्सर उसकी पिटाई करता था। तीजन ने पीड़ा-प्रताड़ना सही लेकिन पंडवानी नहीं छोड़ी। पंडवानी में ही उसकी मुक्ति थी, पीड़ा से भी, दैन्य से भी, वर्जनाओं से भी। पंडवानी ही उसे स्याह बोगदे के बाहर उस ठौर ले गयी, जहां खुली हवा थी, रोशनी थी और उसे सराहती हुई एक बड़ी दुनिया थी। कला कोई भी हो, वह तैयारी या रियाज मांगती है। तीजन ने अपने को तैयार किया, मांजा या परिष्कृत किया और सबसे बढ़कर उसे नवाचारित भी किया। सबलसिंह चौहान की छत्तीसगढ़ी महाभारत कंठस्थ करने के बाद उसने उमेद सिंह देशमुख से विधिवत प्रशिक्षण लिया। पंडवानी पुरूषों के वर्चस्व का क्षेत्र था। बैठकर वाचन की वेदमती शैली उनके उपयुक्त थी, लेकिन तीजन ने इसकी विलोम कापालिक शैली चुनी। अब देखो तो लगता है कि तीजन का चयन सही था। कापालिक शैली में खड़े-खड़े 'महाभारत' गायी जाती थी। तबला, खड़ताल, ढोलक, मंजीरा, हार्मोनियम जैसे इने-गिने वाद्य। साथ में तंबूरा। तीजन का बदन दोहरा है। आवाज थोड़ी कर्कश। कहें तो थोड़ा मर्दानापन। तंबूरे से वह कई प्रयोजन साधती है। वह अर्जुन का बान है और भीम की गदा भी। तीजन वाचिक को आंगिक अभिनय से निखार देती है। माहौल के मुताबिक शब्द चयन में थोड़ा हेरफेर। वह गायन, नृत्य, प्रलाप, वादन, संवाद और अभिनय से अपना 'डोमेन' रचती है और दर्शकों को बांध लेती हैं। चीरहरण और दु:शासन वध उसके प्रिय प्रसंग हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

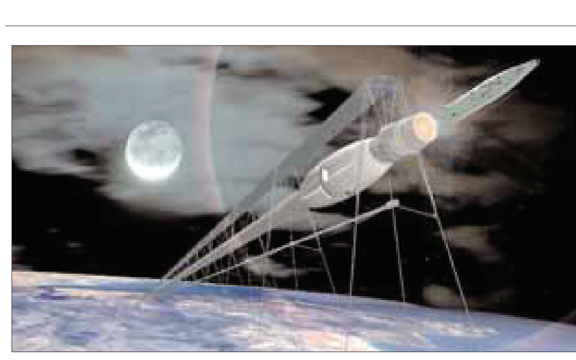

दुनिया की छत से इलेक्ट्रॉनिक युद्ध की तैयारी

पुष्परंजन

जो तिब्बत 'दुनिया की छत' के नाम से मशहूर था, अब चीन उसे इलेक्ट्रो मैग्नेटिक मार्ग वाले रॉकेट लॉन्चिंग अधिकेंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। पेइचिंग इंस्टिच्यूट ऑफ़ स्पेस साइंस के अंतरिक्ष विज्ञानी यू थांग ने पिछले हफ़्ते कहा, 'चीन की स्पेस इंडस्ट्री के कुछ बहुत ही साहसी और होनहार युवाओं ने दो दशक से भी ज़्यादा समय पहले शिंगहाई-तिब्बत पठार के ऊंचाई वाले और कम हवा वाले इलाकों में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्च ऑर्बिट बनाने का आइडिया दिया था। अब वो साकार हो रहा है।' इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रॉकेट लॉन्च टेक्नोलॉजी, एक क्रांतिकारी अंतरिक्ष प्रक्षेपण प्रणाली है, जो पारंपरिक केमिकल, ईंधन के बजाय शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्रों का उपयोग करके रॉकेट या पेलोड को अंतरिक्ष में लॉन्च करती है। यह तकनीक लक्ष्य तक पहुंचने में सटीक है, और अंतरिक्ष यात्रा की लागत को काफी हद तक कम करने की क्षमता रखती है। इस प्रणाली में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक ट्रैक का उपयोग किया जाता है, जो विद्युत ऊर्जा को गतिज ऊर्जा में बदलती हैं। एक बार आवश्यक गति प्राप्त करने के बाद, पेलोड या छोटा रॉकेट वातावरण में ऊपर की ओर छूट जाता है, और अंतरिक्ष के लिए अपनी यात्रा जारी रखता है। इससे भारी मात्रा में ईंधन की बचत होती है। इसे ध्यान में रखें कि पारंपरिक रॉकेटों के कुल वजन का 80-90 प्रतिशत हिस्सा केवल ईंधन होता है। इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्चर इस ईंधन के भार को खत्म कर देते हैं, जिससे रॉकेट बहुत अधिक पेलोड ले जा सकते हैं। यह तकनीक अंतरिक्ष यान को पारंपरिक केमिकल इंजनों की तुलना में कहीं अधिक गति देती है। इससे मंगल ग्रह की यात्रा का समय 8-9 महीने से घटकर केवल 30-60 दिन होने का दावा किया जा रहा है। यह 300 किलोवाट तक की शक्ति पर काम करता है, और हाइड्रोजन के आवेशित कणों को 100 किलोमीटर प्रति सेकंड की आश्चर्यजनक गति प्रदान करता है। भारत में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रॉकेट लॉन्च तकनीक अभी भी शुरुआती अनुसंधान और विकास के चरण में है। भारत में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम चीन से काफी पीछे है। चीन फ़ुज़ियान विमान वाहक पर अपने विद्युत चुम्बकीय कैटापुल्ट को सफलतापूर्वक चालू कर चुका है, अमेरिका के बाद ऐसा करने वाला वह दुनिया का दूसरा देश है। पीपल्स लिबरेशन आर्मी की ग्राउंड फोर्स रिसर्च इंस्टिट्यूट में तैनात प्रोफेसर हान ने इसे दुनिया में अपनी तरह का पहला प्रोजेक्ट बताया, और कहा कि यह पूर्व निर्धारित योजना के मुताबिक बड़ी सफलताओं के साथ लगातार चल रहा है। हान ने '4,000 मीटर से ज़्यादा ऊंचे पठार से सीधे डेटा इकट्ठा किया है। उन्होंने इस पर अनुसंधान किया है कि रॉकेट को ज़्यादा ऊंचाई वाले माहौल के लिए कैसे ऑप्टिमाइज़ किया जाए, जहां सर्दियों में तापमान बहुत कम होता है, जिससे हवा का दबाव कम होता है। यह समुद्र तल के प्रेशर का लगभग आधा हो सकता है। इसका मतलब है उड़ान के दौरान हवा का घर्षण कम होता है, और शायद रेंज भी ज़्यादा होती है, खासकर तिब्बत जैसे दुनिया की छत पर रॉकेट को और भी ज़्यादा पावरफुल हथियार बना देगा।' ज़ियांग चीन के पूर्वी सिचुआन प्रांत का शहर है। 2026 की शुरुआत में ज़ियांग में हाई-टेम्परेचर सुपरकंडक्टिंग नेविगेशन सिस्टम के सफल परीक्षण ने इस टेक्नोलॉजी को हकीकत के करीब ला दिया है। इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व 'ज़ियांग कमर्शियल एयरोस्पेस लॉन्च टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टिट्यूट' के शोधार्थी कर रहे हैं, जो चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉरपोरेशन की एक शाखा है। ज़ियांग फ़ैसिलिटी चीन के पहले इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्च वेरिफिकेशन प्लेटफ़ॉर्म को सक्रिय रूप से चला रही है, जिसका महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2028 तक 'इसरो' की तरह व्यावसायिक लांच वाले पैटर्न पर लाना है। अब सवाल है, क्या चीन इस तकनीक का सैन्य इस्तेमाल भी करने के प्रयास में है? चीन विद्युत-चुंबकीय तकनीक का इस्तेमाल मिसाइल और रॉकेट लॉन्चिंग के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में आक्रामक रूप से कर रहा है। पारंपरिक रासायनिक ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए, चीन इस तकनीक को जीरो-स्टेज बूस्टर के रूप में विकसित कर रहा है। चीन की ज़ियांग कमर्शियल एयरोस्पेस लॉन्च टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टिट्यूट एक ऐसे सुपरकंडक्टिंग मैग्नेटिक लेविटेशन सिस्टम पर काम कर रही है, जो रॉकेट को जमीन से ही ट्रैक पर बिजली के जरिए सुपरसोनिक गति देने में सक्षम है। इससे रॉकेट के इंजन हवा में बहुत ऊंचाई पर पहुंचने के बाद ही काम करेंगे, जिससे भारी लागत और ईंधन की बचत होगी। मिसाइल तकनीक के साथ चीन उच्च शक्ति वाले माइक्रोवेव और ईएमपी हथियारों का निर्माण कर रहा है। चीन ने अंतरिक्ष में मौजूद दुश्मन के सैटेलाइट्स या संचार प्रणालियों को बिना किसी विस्फोट के जाम या नष्ट करने के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तकनीक का उपयोग कर रहा है। चीन, अपने फूचियान जैसे अत्याधुनिक विमान वाहक पोतों पर युद्धक विमानों को लॉन्च करने के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिस्टम को आगे बढ़ा रहा है। यह दुनिया का पहला इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सरफेस-टू-सरफेस रॉकेट होगा। तिब्बत में इनका टेस्ट क्यों किया जा रहा है? इस बारे में चीन का मानना है कि 'दुनिया की छत' तिब्बत से लॉन्च किए गए रॉकेट भारत के भीतर तक जा सकते हैं। चीनी एक्सपर्ट्स ने कहा कि इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापुल्ट से लॉन्च किया गया रॉकेट पारम्परिक रॉकेट से अधिक स्थिर और अचूक होगा, साथ ही यह अपने भार को गति देने वाली मिसाइल से बहुत सस्ता भी होगा। मगर सवाल है, क्या हमारी सीमाएं इलेक्ट्रोमैग्नेटिक संचालित रॉकेट प्रणाली से सुरक्षित रहेंगी? चीन के साथ भारत की 4,056 किलोमीटर लंबी सीमा को दशकों से नजरअंदाज किया गया है। समय-समय पर भारतीय अधिकारी इसे अभेद बनाने की आवश्यकता पर बल देते हैं। सत्ता में आने से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीमा पर बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पिछली सरकार के प्रयासों की आलोचना करते थे, लेकिन पिछले दशकों में भी कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई है। दिक्कत यह है कि सरकार देश में रणनीतिक ढांचे के निर्माण के लिए जिम्मेदार सीमा सड़क संगठन पर ही निर्भर है। बीआरओ की कार्यशैली में कोई क्रांतिकारी बदलाव नहीं दिखाई देता है। चीन ने जिस रफ्तार में अपने इलाके में ऑल वेदर मेटालिक रोड और अधोसंरचना खड़े किये, बीआरओ उसके मुक़ाबिल कछुआ गति से आगे बढ़ता रहा है। बीआरओ में कुशल कर्मियों की कमी एक बड़ा मुद्दा रहा है। ऐसे में पूरे बॉर्डर लाइन पर चीनी तैयारी के मुक़ाबले हम कब गंभीर होंगे? इस सवाल पर विमर्श ज़रूरी है।

(लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं)

संक्षिप्त समाचार

ब्राह्मण मिलनोत्सव आमंत्रण पूजन संपन्न

ग्वालियर। सकल ब्राह्मण महासमिति द्वारा नि :शुल्क ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन के पंजीयन का शुभारंभ समारोह 6 जुलाई को शाम 5 :30 बजे प्रधान कार्यालय, ऊंट पुल पर संतश्री सच्चिदानंद ढोली बुआ महाराज के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा। मुख्य वक्ता पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, ब्राह्मण अंतरराष्ट्रीय संगठन बालेन्दु शुक्ला होंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ. ओएन कौल, राम नारायण मिश्रा, जीडी तिवारी, सकल ब्राह्मण महासमिति की महिला अध्यक्ष बीना भारद्वाज, समाजसेवी सुमन यशवीर शर्मा होंगे। अध्यक्षता मध्यप्रदेश सनाढ्य सभा के अध्यक्ष किशन मुदगल करेंगे।

गंदगी फैलाने वालों से वसूला जुर्माना

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छ एवं साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। निगमायुक्त संघ प्रिय के निर्देश पर स्वास्थ्य अधिकारी श्री भीष्म कुमार पमनानी एवं सहायक स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र परमार के निर्देशन में दक्षिण फ्लाइंग दल ने विभिन्न वार्डों में स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की।

जिले के बिलारा गांव में बीती रात हुई वारदात, चार के खिलाफ मामला दर्ज

कमरा खाली करने की बात पर शादी वाले घर में खून खराबा, दूल्हे समेत छह पर फावड़े-ईंटों से हमला

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिले के बिलारा गाँव में 4 जुलाई को विवाह समारोह के दौरान मेहमानों के ठहरने के लिए कमरे खाली करने की बात पर परिवार में विवाद इतना बढ़ गया कि शादी का घर रणक्षेत्र बन गया। नाराज पुत्रवधू ने अपने पहलवान भाई को बुला लिया, जिसने साथियों के साथ मिलकर दूल्हे, उसके माता-पिता, बहन और ताऊ पर फावड़े व ईंटों से हमला कर दिया। हमले में छह लोग घायल हुए हैं। इनमें दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें ग्वालियर ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

मूल रूप से हस्तिनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बिलारा निवासी विजयराम बघेल वर्तमान में परिवार सहित दिल्ली के वेलकम शीलमपुर में रहकर काम करते हैं। उनके बेटे शिव सिंह बघेल का विवाह 6 जुलाई को होना है। विवाह समारोह के लिए पूरा परिवार गांव आया हुआ था। 4 जुलाई को घर में मंडप और सगाई का कार्यक्रम था, जिसमें शामिल होने के लिए रिश्तेदार और मेहमान भी पहुंचे हुए थे।देर रात मेहमानों के ठहरने की व्यवस्था के लिए विजयराम बघेल और उनके बड़े भाई रामेश्वर बघेल (70) ने पुत्रवधू हेमा से दो कमरे खाली करने के लिए कहा। लेकिन हेमा ने कमरे खाली करने से इनकार कर दिया। समझाने का प्रयास करने पर विवाद बढ़ गया और उसने अपने भाई गिर्राज बघेल को फोन कर बुला लिया।

बताया गया है कि गिर्राज, जिसे क्षेत्र का नामी पहलवान बताया जाता है, अपने साथी सूरज उर्फ छोटू और दो अन्य लोगों के साथ गांव पहुंचा। सभी ने घर के बाहर खड़े विजयराम और रामेश्वर पर फावड़े और ईंटों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों की चीख-पुकार सुनकर दूल्हा शिव सिंह, उसकी मां रामबेटी और बहन ममता बीच-बचाव के लिए पहुंचे, लेकिन हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। फावड़े और ईंटों से किए गए हमले में दूल्हे शिव सिंह, उसके पिता विजयराम, मां रामबेटी, बहन ममता, ताऊ रामेश्वर समेत परिवार के छह सदस्य घायल हो गए। शादी वाले घर में अचानक हुए खून-खराबे से अफरा-तफरी मच गई और मंगलगीतों की जगह चीख-पुकार गूंजने लगी। घटना की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए।सूचना मिलते ही हस्तिनापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद विजयराम और रामेश्वर की हालत गंभीर होने पर उन्हें ग्वालियर ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया, जबकि अन्य घायलों का स्थानीय स्तर पर उपचार किया गया। पुलिस ने दूल्हे शिव सिंह की शिकायत पर गिर्राज बघेल, सूरज उर्फ छोटू और दो अन्य आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। घटना के बाद सभी आरोपित फरार हो गए। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

आज सिरसौद गयी बारात

घटना के बावजूद सोमवार को शिव सिंह की बारात सिरसौद जानी है। हालांकि शादी की खुशियां इस खूनी संघर्ष से फीकी पड़ गई हैं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कमरा खाली करने को लेकर विवाद अचानक इतना क्यों बढ़ा और परिवार के बीच पहले से कोई विवाद तो नहीं था।

इनका कहना है

'विवाह समारोह के दौरान कमरे खाली करने की बात पर विवाद हुआ था। शिकायत के आधार पर गिर्राज बघेल, सूरज उर्फ छोटू सहित अन्य आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। उनकी तलाश की जा रही है।'

देवेन्द्र लोधी
थाना प्रभारी, हस्तिनापुर

राष्ट्र निर्माण के लिए अंबेडकर व बिरसा मुंडा के विचार जन-जन तक पहुंचे: वर्मा

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

म.प्र. अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ (अजाक्स) के प्रांताध्यक्ष एवं आईएएस संतोष वर्मा के प्रथम ग्वालियर आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर और भगवान बिरसा मुंडा के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा अजाक्स पदाधिकारियों ने उन्हें भारतीय संविधान भेंट किया। इसके बाद आयोजित प्रांतीय, संभागीय एवं जिला पदाधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक में उन्होंने संगठन को अधिक सशक्त, अनुशासित और जनोन्मुखी बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिए। संतोष वर्मा ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए डॉ. अंबेडकर और भगवान बिरसा मुंडा के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना होगा। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति के लिए आरक्षित वर्ग की महिलाओं को माता सावित्रीबाई फुले के विचारों से शिक्षित करना आवश्यक है। उन्होंने समाज को कमजोर करने वाली प्रवृत्तियों के खिलाफ संगठित होकर संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय, समानता, बंधुत्व और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा पर जोर देते हुए महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्ग की भागीदारी बढ़ाने की बात कही। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने संविधान की मर्यादा, सामाजिक न्याय और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का सामूहिक संकल्प लिया।

जन अभियान परिषद 12 तक करेगी पौधरोपण

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

मप्र जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर 4 से 12 जुलाई तक एक पेड़ मां के नाम लगाकर स्वैच्छिक पर्व के रूप में मनाने का संकल्प नवांकुर संस्था सर्वे भवन्तु सुखिनः समिति ने लिया है। इसी क्रम में 4 जुलाई को उटीला सेक्टर के ग्राम पंचायत बस्तरी के पंचम पुरा झरना खोह में पौधरोपण किया गया, जिसमें आंवला, जामुन,नीम के 11 पौधे रोपित किए गए। इस अवसर जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार के पूर्व निदेशक गिरिराज गोयल, सर्वे भवन्तु सुखिनः समिति अध्यक्ष राजकुमार प्रजापति, सनोज अग्रवाल, सोनू राठौर, भगवान दास बघेल आदि मौजूद थे।

डिवाइडरों और पार्कों में एक ही दिन में 1,865 पौधे रोपे

शहर को हराभरा और पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से नगर निगम के पार्क विभाग ने शनिवार को व्यापक पौधरोपण अभियान चलाया। अभियान के तहत शहर के डिवाइडरों और पार्कों में बड़े स्तर पर पौधे रोपे गए, जिससे कई प्रमुख मार्गों को हरियाली की नई पहचान मिलने लगी है। अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर कुल 1,865 पौधों का रोपण किया गया। इसमें सिरोल थाने के सामने स्थित डिवाइडर, संस्कृति पार्क और गायत्री विहार पार्क में करीब 200 पौधे लगाए गए। वहीं सबसे बड़ा पौधरोपण यूनिपैच फैक्ट्री से शताब्दीपुरम स्थित सिंधिया स्टैच्यू तक के डिवाइडर पर किया गया। जहां अकेले 1,300 पौधे रोपे गए। इसके अलावा लोको हजीरा डिवाइडर पर 165 पौधे, जबकि हजार बिस्तर अस्पताल के सामने स्थित डिवाइडर और खेल परिसर के समीप संयुक्त रूप से करीब 200 पौधे लगाए गए। अधिकारियों का कहना है कि इन पौधों के विकसित होने के बाद शहर के प्रमुख मार्गों पर न केवल हरियाली बढ़ेगी, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण और तापमान संतुलन में भी मदद मिलेगी। विभाग का लक्ष्य आने वाले समय में इन सभी क्षेत्रों को ग्रीन कॉरिडोर के रूप में विकसित करना है। पार्क विभाग की टीम ने बताया कि रोपे गए पौधों की नियमित देखरेख और सिंचाई की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि अभियान केवल पौधरोपण तक सीमित न रहकर वास्तविक हरियाली में बदल सके।

युवक की हत्या के तीन आरोपी पकड़े

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

उपनगर ग्वालियर थाना क्षेत्र में गाय को डंडा मारने के विवाद में युवक की हत्या करने वाले तीन अन्य फरार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जबकि दो आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके हैं। एक आरोपी अभी भी पुलिस पकड़ से दूर है। भैरोंबाबा मंदिर के पास दिनेश पटेल उर्फ रॉकी की आशिक खान, टकला उर्फ अंकित रजक, गौरव उर्फ गोलू सविता, आदित्य उर्फ कल्ला शाक्य सहित दो अन्य ने डंडे से पीट पीटकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद पुलिस ने शनिवार को अंकित रजक और आशिक खान को गिरफ्तार कर लिया था। रविवार को गौरव सविता, आदित्य और एक नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने रॉकी की हत्या के बारे में पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ और फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

भीमराव अम्बेडकर पॉलिटेक्निक के 10 विद्यार्थियों को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति

ग्वालियर। शासकीय भीमराव अम्बेडकर पॉलिटेक्निक कॉलेज ग्वालियर के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की छात्रवृत्ति योजनाओं में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। कॉलेज की नौ छात्राओं का चयन प्रगति छात्रवृत्ति योजना 2025-26 तथा एक छात्र का चयन स्वनाथ योजना के अंतर्गत हुआ है। चयनित प्रत्येक विद्यार्थी को प्रतिवर्ष 50 हजार रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जिससे वे अपनी शैक्षणिक फीस और अध्ययन से जुड़े अन्य आवश्यक खर्च वहन कर सकेंगे। प्रगति छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत चयनित छात्राओं में आराध्या गुप्ता, कशिश गुप्ता, दीपिका राठौड़, रौनक माहौर, चेष्टा कुशवाहा, सलोनी मालाबारिया, अंशिका शिवहरे, अंजली कुशवाहा, राधा शर्मा तथा बबीता खंगार शामिल हैं। वहीं स्वनाथ योजना के तहत छात्र सौरभ सिंह तोमर का चयन हुआ है। प्रगति छात्रवृत्ति योजना में छात्राओं का चयन शैक्षणिक मेरिट के आधार पर किया गया, जबकि स्वनाथ योजना में सौरभ सिंह तोमर का चयन विशेष पात्रता के आधार पर हुआ है। कॉलेज प्रबंधन ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। प्रबंधन ने विद्यार्थियों से शैक्षणिक उत्कृष्टता बनाए रखने और इस अवसर का पूरा लाभ उठाकर अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने का आह्वान किया।

संस्कारों के साथ कौशल की सीख बच्चों ने जीता सभी का दिल

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

छुट्टियों को रचनात्मक सीख और हुनर से जोड़ने के उद्देश्य से पटेल नगर स्थित संस्कार दीप विद्या मंदिर में आयोजित एक माह का समर कैंप रविवार को उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। सहारा सोशल वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से आयोजित कैंप में बच्चों ने सिलाई, मेहंदी, ड्रॉइंग और सिंगिंग जैसी विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी प्रतिभा को निखारा। समापन समारोह में बच्चों ने मंच पर अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से सीखे हुए कौशल का प्रदर्शन किया, जिसे अभिभावकों और अतिथियों ने खूब सराहा। डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी ने कहा कि शिक्षा तभी सार्थक होती है, जब उसके साथ संस्कार और कौशल का समन्वय हो। कैंप में निशा नामदेव ने सिलाई, मंजू शर्मा ने ड्रॉइंग एवं सिंगिंग तथा संध्या माथुर ने मेहंदी कला का प्रशिक्षण दिया। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। दीप्ति शर्मा ने बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरित कर उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम का संचालन अनीता सक्सेना ने किया, जबकि संध्या माथुर ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सुमन शर्मा, डॉ. राजरानी शर्मा, निर्मला शर्मा, पल्लवी शर्मा, नीतू उपमन्यु, मनीषा शर्मा, मंजू शर्मा, निर्दोष तोमर सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

शासकीय स्कूलों में होंगे उमंग स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

लोक शिक्षण संचालनालय के राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, आयुष्मान भारत एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन , यूएनएफपीए तथा इसकी क्रियान्वयन एजेंसी बीजीएमएस एवं सेन्टर ऑफ टेक्नोलॉजी एन्ड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट के संयुक्त तत्वाधान में उमंग स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम का जिले में तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण के प्रथम दो बैच का होटल सान्वी विनय नगर में प्रारंभ हुआ। जिसमे घाटीगांव, भितरवार एवं डबरा के प्रत्येक हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के 2 -2 शिक्षक प्रशिक्षित किए जा रहे है। सभी हायर सेकेंडरी विद्यालयों में उमंग स्कूल हेल्थ एवं वैलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत इस सत्र में भी प्रति मंगलवार जीवन कौशल शिक्षा के सत्रों का संचालन किया जाएगा जिसकी एप पर रिपोर्टिंग करनी होगी। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को इस योग्य बनाना है कि वे किशोरों की समस्याओं को संवेदनशीलता से समझ सकें। शारीरिक और मानसिक बदलावों पर चर्चा, किशोर अवस्था में होने वाले हार्मोनल, शारीरिक और मानसिक बदलावों व उनसे जुड़ी समस्याओं के समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई । इस अवसर पर ऑब्जर्वर के रूप में कुशाल दांगी, उमंग जिला नोडल राजेश भार्गव, मास्टर ट्रेनर की टीम डॉ. दीप्ति गौड़ ,डॉ. सीमा परमार, सीमा श्रीवास्तव, मोनिका अग्रवाल, महेन्द्र सिंह कुशवाह एवं स्वास्थ्य विभाग से डॉ. रविन्द्र शर्मा, सीटेड संस्था से नोडल उदयनाथ मिश्रा, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर डॉ. प्रेम कुलश्रेष्ठ, पूजा शर्मा, अग्रिमा, अमन, मनोज, अनुराधा एवं टीम के सदस्य उपस्थित रहे ।

प्रदेश पर्यटन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सात अगस्त को

ग्वालियर। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा जिले के शासकीय, अशासकीय, सीबीएसई एवं अन्य मान्यता प्राप्त विद्यालयों की कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए सात अगस्त को बूझो जानो, फिर देखो अपना प्रदेश पर्यटन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता-2026 आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का आयोजन मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के तत्वावधान में जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद तथा स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त सहयोग से किया जाएगा। वर्ष 2016 से यह प्रतियोगिता नियमित रूप से आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता दो चरणों में होगी। प्रथम चरण जिला स्तर पर आयोजित होगा, जिसमें चयनित टीमें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी। जिले की प्रथम तीन विजेता टीमों को मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के होटलों में दो रात्रि एवं तीन दिवस के नि :शुल्क पर्यटन भ्रमण का कूपन प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा अगली तीन उपविजेता टीमों को एक रात्रि एवं दो दिवस के नि :शुल्क पर्यटन भ्रमण का कूपन मिलेगा। विद्यार्थियों के आवागमन, आवास, भोजन और स्थानीय भ्रमण का पूरा व्यय पर्यटन बोर्ड वहन करेगा ।

टनकपुर-नांदेड साप्ताहिक एक्सप्रेस का नियमित संचालन 12 से

- चार राज्यों के यात्रियों को मिलेगा सीधा लाभ

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

रेल यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। रेलवे ने टनकपुर-नांदेड साप्ताहिक एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 17631-17632) के नियमित संचालन की घोषणा कर दी है। यह सेवा 12 जुलाई से नांदेड और 14 जुलाई से टनकपुर से अपने निर्धारित समयानुसार नियमित रूप से संचालित होगी।

रेलवे के अनुसार, ट्रेन क्रमांक 17631 नांदेड-टनकपुर एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार रात 11:40 बजे नांदेड से रवाना होगी और पूर्णा, अकोला, खंडवा, इटारसी, रानी कमलापति, बीना, ललितपुर, झांसी, ग्वालियर, धौलपुर, आगरा कैंट, मथुरा, कासगंज, बदायूं, बरेली, इज्जतनगर, पीलीभीत और खटीमा होते हुए मंगलवार सुबह 5:55 बजे टनकपुर पहुंचेगी।

वहीं, ट्रेन क्रमांक 17632 टनकपुर-नांदेड एक्सप्रेस प्रत्येक मंगलवार सुबह 9 बजे टनकपुर से रवाना होकर विभिन्न स्टेशनों से होते हुए उसी दिन रात 8:40 बजे ग्वालियर पहुंचेगी और बुधवार शाम 4:30 बजे नांदेड पहुंचेगी। इस ट्रेन के नियमित संचालन से उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच सीधा रेल संपर्क और मजबूत होगा। खासकर ग्वालियर, झांसी, इटारसी, खंडवा और अकोला जैसे प्रमुख स्टेशनों के यात्रियों को इससे बड़ी सुविधा मिलेगी।रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए इस ट्रेन में कुल 32 कोच लगाए हैं, जिनमें 2 एसी सेकेंड क्लास, 4 एसी थर्ड क्लास, 11 स्लीपर, 8 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 4 महिला सामान्य कोच शामिल हैं। इससे लंबी दूरी की यात्रा और अधिक सुविधाजनक और सुगम होने की उम्मीद है।

फिनाइल तक नहीं कराई जा रही उपलब्ध

सफाई सामग्री के अभाव में मुरार जिला अस्पताल की व्यवस्था चरमराई

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

मुरार जिला अस्पताल में आउटसोर्स कर्मचारियों को जहां पिछले दो माह से वेतन नहीं मिला है, वहीं दूसरी ओर अस्पताल की सफाई व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है, क्योंकि सफाई कर्मचारियों को फिनाइल, डिटर्जेंट, ब्रश, पोछा सहित अन्य आवश्यक सफाई सामग्री तक उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। इसका सीधा असर अस्पताल की स्वच्छता और मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार मुरार जिला अस्पताल में लंबे समय से आउटसोर्स कर्मचारियों की आपूर्ति का कार्य राज सिक्योरिटी फोर्स के माध्यम से किया जा रहा था। एजेंसी का अनुबंध 31 मार्च को समाप्त हो गया, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने समय रहते नई निविदा (टेंडर) प्रक्रिया शुरू नहीं की। न तो पुराने अनुबंध को नियमानुसार बढ़ाया गया और न ही नए टेंडर या कोटेशन आमंत्रित किए गए।

आरोप है कि टेंडर प्रक्रिया अपनाए बिना ही अस्पताल प्रबंधन ने सीधे शर्मा सिक्योरिटी फोर्स और सनशाइन सिक्योरिटी फोर्स को कर्मचारियों की आपूर्ति का कार्य सौंप दिया। हालांकि एजेंसियों के

जिम्मा संभालने के बाद भी कर्मचारियों की समस्याएं कम होने के बजाय और बढ़ गई हैं। कर्मचारियों का कहना है कि दो माह से वेतन नहीं मिलने के कारण उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है, जबकि कई कर्मचारी उधार लेकर अपने परिवार का खर्च चलाने को मजबूर हैं।

वहीं अस्पताल की सफाई व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। सफाई कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें नियमित रूप से सफाई सामग्री उपलब्ध नहीं कराई जा रही। फिनाइल जैसी बुनियादी सामग्री तक नहीं मिलने के कारण वार्डों, गलियारों और अन्य हिस्सों की समुचित सफाई नहीं हो पा रही है। इससे अस्पताल में संक्रमण फैलने की आशंका भी बढ़ गई है।

संभागायुक्त की जांच के दायरे में आउटसोर्स ठेका

जिला अस्पताल में कथित रूप से नियमों के विपरीत दो निजी एजेंसियों को आउटसोर्स कर्मचारियों का कार्य सौंपे जाने का मामला अब प्रशासनिक जांच के दायरे में आ गया है। सम्भागायुक्त ने पूरे प्रकरण की जांच के लिए समिति गठित की है। समिति ने दस्तावेजों की जांच के साथ संबंधित अधिकारियों से जानकारी जुटाना भी शुरू कर दिया है। जांच में यह देखा जा रहा है कि बिना नई निविदा प्रक्रिया अपनाए एजेंसियों को कार्य किस आधार पर दिया गया।

कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने कई बार अस्पताल के जिम्मेदार अधिकारियों को इस संबंध में अवगत कराया, लेकिन अब तक न तो वेतन भुगतान की दिशा में कोई ठोस कदम उठाया गया और न ही सफाई सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई।

इनका कहना है

सफाई के लिए सामान उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं, जल्द यह परेशानी दूर हो जाएगी।

डॉ. सीमा जायसवाल
सिविल सर्जन, जिला अस्पताल

बछिया को कुचलने वाला चालक पकड़ा

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

गोला का मंदिर थाना क्षेत्र में तेजी व लापरवाही से स्कॉर्पियो चलाकर बछिया को कुचलकर भागे आरोपी चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए चालक से पुलिस ने घटना के बारे में पूछताछ की। पंचशील नगर में 1 जुलाई को स्कॉर्पियो चालक ने सड़क किनारे बैठी बछिया को कुचल दिया था। गाड़ी की चपेट में आकर बछिया ने तड़प तड़पकर दम तोड़ दिया था। उक्त घटना के बाद से ही पुलिस आरोपित चालक की तलाश में जुटी थी। रविवार को मुखबिर से सूचना मिली कि चालक पवन जाटव डोंगरपुर में हैं। सूचना मिलने पर पुलिस डोंगरपुर पहुंची, लेकिन वह पुलिस के पहुंचने से पहले ही वहां से निकल गया। पुलिस को पता चला कि पवन फूटी कॉलोनी में देखा गया है। पुलिस ने फूटी कॉलोनी में दबिश देकर पवन को गिरफ्तार कर लिया। बता दें अजयपाल सिंह गुर्जर ने आरोपित चालक की शिकायत दर्ज कराई थी।

पिता की विरासत को सहेजती बेटियां

पिता-पुत्री संबंध संसार के सभी संबंधों से एकदम अलग और अटूट है। उसे बाहर की दुनिया से रूबरू कराने का काम पिता ही करता है। मानसिक व शारीरिक सक्षमता के कारण वह हर जगह खड़ा होता है। यही वजह है कि बेटी भी अपने निकटतम संबंधों में अपने पिता का सा व्यक्तित्व और गुण खोजती रहती हैं।

हाल ही में एक वकील ने एक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि एक जाने-माने व्यवसायी ने बेटे के होते हुए भी अपनी बेटी की मेहनत और निष्ठा को देखते हुए अपने व्यवसाय की सारी जिम्मेदारी उसे जीते जी सौंप दी। बेटी ने न केवल अपने पिता की विरासत को संभाला बल्कि अपनी सोच और मेहनत से व्यवसाय को नए आयाम भी दिए। बेटे की लापरवाहियों ने पिता को पूरे तौर पर निराश कर दिया था। लेकिन पिता के मरते ही बेटे ने कोर्ट में मुकदमा दायर किया और अपने हक की मांग की। कोर्ट ने उसके पक्ष में फैसला सुनाते हुए दोनों भाई-बहनों को आधा-आधा व्यवसाय सौंप दिया। अगले कुछ ही सालों में भाई ने उस आधे को भी पूरा समाप्त कर दिया। जबकि बहन ने अपने हिस्से में आई विरासत को संजोने और आगे ले जाने में पूरी जान लगा दी। यह निर्विवाद सच है कि बेटियां अपने पिता के प्रति अधिक निष्ठावान होती हैं। हमारे जीवन में पिता की भूमिका कुछ ऐसी ही है। अपवादों की बात न करें तो अनेक उदाहरण ऐसे मिल जाएंगे जिन्होंने तमाम बंदिशों के बाद भी अपने घर-परिवार का नाम रोशन किया। पिता के व्यक्तित्व से प्रभावित ऐसी बेटियों की कमी नहीं है जिन्होंने उनके पदचिह्नों पर चलकर मिसाल कायम की।

संबंध पिता-पुत्री का

इसमें संदेह नहीं कि आमतौर पर पिता का पुत्री के साथ और पुत्र का मां के साथ नाता गहरा होता है। प्रख्यात मनोवैज्ञानिक सिग्मंड फ्रायड के अनुसार विपरीत सेक्स के कारण यह आकर्षण प्रबल होकर इस लगाव का मुख्य कारण बनता है। जीवन में आने वाले सर्वप्रथम पुरुष पिता से लडकियां स्वत: प्रभावित होती हैं। वे आजीवन इस मजबूत और आदर्श व्यक्तित्व से प्रभावित रहती हैं और सारी उम्र अपने साथी में भी पिता के गुणों को खोजती हैं।

बदला दृष्टिकोण

आज पिता की भूमिका बदल गई है। वह पहले की तरह घर-परिवार से दूर रहने वाला केवल कामकाजी व्यक्ति नहीं रह गया। आज का पिता पहले की तुलना में कहीं अधिक व्यावहारिक हो गया है। वह चाहता है कि उसकी व्यावहारिकता और अनुभव उसके बच्चों के काम आएं। यूं भी बहुत से परिवर्तन हमारे समाज में आए हैं। पहले जहां बेटियों को पराया धन मानकर उसे तबज्जो नहीं दी जाती थी और बेटे की परवरिश पर ध्यान दिया जाता था, वहीं अब दोनों को बराबरी का हक मिलता है। सोच और दृष्टि में आए बदलावों ने बेटियों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव ला दिए। इसी बदलाव के चलते ये संबंध और प्रगाढ़ हुए।

सक्षम है बेटी

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉक्टर जयंती दत्ता का कहना है कि स्त्री की सहनशीलता, ईमानदारी और ताकत को भगवान भी मानते हैं। यदि नहीं मानते तो सृष्टि के सृजन का माध्यम उसे नहीं बनाते। बेटी को केवल इस वजह से पराया धन मान लेना कि एक दिन उसे दूसरे घर जाना है, एकदम गलत है। अपनी संतान को खून से सींच कर पालते हैं। यही काम बेटी आगे चलकर करती है क्या कोई बेटा ये काम कर सकता है? तो बेटियां क्यों नहीं पिता की विरासत को आगे बढ़ा सकतीं। वे भी सक्षम हैं हर काम करने में।

बेटी में मां की झलक

पिता अपनी पुत्री में अपने ही खून का बदला हुआ चेहरा देखता है। वह उसमें अपनी मां की झलक देखता है। वह उसकी देखभाल करती है, सलाह मानती है और सलाह देती भी है, गुस्सा भी होती है। इसलिए बेटी से उसका लगाव बेहद मजबूत होता है। ये भावनात्मक संबंध संसार के सभी संबंधों से एकदम अलग और अटूट है। उसे बाहर की दुनिया से रूबरू कराने का काम भी पिता ही करता है। मानसिक व शारीरिक सक्षमता के कारण वह हर जगह खड़ा होता है। यही वजह है कि बेटी भी अपने निकटतम संबंधों में अपने पिता का सा व्यक्तित्व और गुण खोजती रहती है। विज्ञान भी इस बात को मानता है कि पिता और पुत्री का संबंध अटूट व रचनात्मक है। इसे इलेक्ट्रा कॉम्प्लेक्स कहते हैं। ये निरंतर सीखने व आगे ले जाने की परंपरा का निर्वाह करता है।

विंड चाइम से बढ़े घर की रौनक

विंड चाइम, इसे पवन घंटियां भी कहा जाता है। इसके प्रयोग से सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। विंड चाइम धातु, लकड़ी, बांस या सिरेमिक पाइप से बनी होती है। ये पाइप अंदर से बांसुरी की तरह खाली होते हैं। इन पाइपों को रेशमी धागों से बांधा जाता है। लकड़ी और बांस से बनी विंड चाइम पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। इससे घर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ने के साथ-साथ नाम व यश भी बढ़ता है। छह रॉड वाली गोल्डन व येलो कलर की विंड चाइम उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाने से यश एवं समृद्धि में वृद्धि होती है। नौकरी एवं व्यवसाय में तरक्की के अवसर मिलते हैं। सात रॉड वाली सिल्वर व सफेद रंग वाली विंड चाइम घर में पश्चिम दिशा में लगाने से परिवार के सदस्यों तथा ऑफिस में लगाने से सहकर्मियों और नौकरों से संबंध अच्छे बने रहते हैं। जिन लोगों की जन्मतिथि में धातु तत्व की कमी हो, उन्हें मेटल की विंड चाइम और पृथ्वी तत्व की कमी होने पर सिरेमिक विंड चाइम का प्रयोग करना चाहिए। एल्यूमिनियम, लोहे व पीतल के पाइप वाली विंड चाइम का प्रयोग हानिकारक होता है। इन पर पाउडर कोटिंग की जाती है, लेकिन इनकी आवाज कर्कश होती है।

क्रिस्टल बॉल

यह घर में नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को समाप्त कर सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि करती है। घर में किसी भी प्रकार का वास्तु दोष होने पर पूर्व दिशा में 9 क्रिस्टल बॉल्स का गुच्छा लगाने से काफी हद तक वास्तु दोष से मुक्ति पाई जा सकती है। घर की पश्चिम दिशा में क्रिस्टल बॉल इस प्रकार लगाएं कि सूर्य की किरणें उस पर पड़ें। इससे घर के बुजुर्गों और महिलाओं में दिनभर ऊर्जा बनी रहती है। घर के निराशाजनक वातावरण को दूर कर सुख-शांति और धन की वृद्धि करने में भी यह सहायक है। घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में डायमंड कट वाली क्रिस्टल बॉल, जहां पिता-पुत्र संबंधों में मधुरता लाती है, वहीं जीवन में प्रेम का संचार भी करती है।

सिक्के और घंटियां

फेंगशुई सिक्के ऊपर से गोल और अंदर से वर्गाकार छेद लिए होते हैं। घर में सौभाग्य और समृद्धि लाने के लिए इन सिक्कों का प्रयोग किया जाता है। इसके लिए तीन फेंगशुई सिक्कों को लाल रंग के रिबन या रेशमी धागे से एक साथ बांधकर पर्स या दुकान के गल्ले में रखा जाता है। इसके अलावा इन सिक्कों को केवल मुख्य द्वार पर अंदर की तरफ और तिजोरी के दरवाजे पर भी बांधा जा सकता है। इन सिक्कों के साथ-साथ छोटी घंटियों को भी बांधा जा सकता है। लाल रिबन से बंधी ये घंटियां सौभाग्य का प्रतीक होती हैं। इन घंटियों से किसी प्रकार की ध्वनि नहीं होती। पुरानी हो जाने पर इन घंटियों को बदल देना चाहिए।

रिश्ते धीरे-धीरे जुड़ते हैं या धीरे-धीरे टूटते हैं ...

अक्सर शादी के बाद लड़के अपने परिवार को पत्नी के सामने अतिरिक्त तवज्जो देने लगते हैं। वास्तव में लड़कों की स्थिति बड़ी अजीब हो जाती है। जिस परिवार के साथ वह इतने सालों तक रहा अचानक उसे उनका समय चुरा कर अपनी पत्नी को देना होता है। इसलिए वह अपने परिवार की भावनाओं को समझने की जल्दबाजी में पत्नी की भावना को नहीं समझता।

शादी में दो मन एक साथ बड़े अरमानों से जुड़ते हैं। लेकिन साल भर होते-होते रिश्तों का सौंधापन ना जाने कहां चला जाता है और तकनीकी रूप से दो लोग साथ होते हुए भी साथ नहीं होते। एक लड़की को नए घर के माहौल के हिसाब से ढलने में समय लगता है लेकिन लड़के की भारी भरकम अपेक्षाओं के बोझ तले वह मुरझा जाती है।

बाहरी तौर पर भले ही वह मुस्कुराती नजर आए पर भीतर ही भीतर बहुत कुछ दरकता है। यही स्थिति कमोबेश लड़कों के साथ भी होती है। लेकिन यहां हम लड़कों की तरफ से होनी वाली मामूली सी नादानियों का जिक्र करेंगे ताकि समय पर कुछ रिश्ते संभल जाए।

सिर्फ मैं और मेरा परिवार

अक्सर शादी के बाद लड़के अपने परिवार को पत्नी के सामने अतिरिक्त तवज्जो देने लगते हैं। वास्तव में लड़कों की स्थिति बड़ी अजीब हो जाती है। जिस परिवार के साथ वह इतने सालों तक रहा अचानक उसे उनका समय चुरा कर अपनी पत्नी को देना होता है। इसलिए वह अपने परिवार की भावनाओं को समझने की जल्दबाजी में पत्नी की भावना को नहीं समझता।

जहां परिवार वाले समझदार हैं और पति-पत्नी के एकांत का महत्व समझते हैं वहां यह समस्या इतनी खड़ी नहीं होती क्योंकि दो दिलों को अपने लिए पर्याप्त समय मिल रहा है। लेकिन जहां परिवार वाले भी नई दुल्हन के आने से असुरक्षा की भावना से ग्रस्त हैं वहां वे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से अपना हस्तक्षेप बढ़ाने से बाज नहीं आते। और इस करेले पर नीम पति की तरफ से चढ़ाया जाता है। लड़कों में कुछ बातों को समझने की व्यावहारिकता थोड़ी कम होती है नतीजतन वे अपनी बीवी को ही दोषी मानने लग जाते हैं कि उसे परिवार रास नहीं आ रहा। लड़कों को चाहिए कि वह अपनी नई नवेली पत्नी को धीरे-धीरे रिश्तेदारों के बारे में बताए और उसे कभी भी यह महसूस न होने दें कि परिवार हमेशा ही सही है और वह गलत। पति बनने के साथ ही आपमें यह बड़प्पन आना चाहिए कि अब आप पर दो लोगों का दायित्व है न कि आप स्वयं भी पत्नी से परिवार के अलावा आपके साथ भी जल्दी से जल्दी एडजस्ट होने की उम्मीद लेकर बैठ जाए। यहां रिश्तों की सबसे पहली दरार पड़ती है इसे पाटना सिर्फ और सिर्फ पति के हाथ में होता है।

याद रखिए पत्नी को आपका परिवार बुरा नहीं लग रहा है बल्कि आपका 24 घंटे मेरा परिवार-मेरा परिवार का जाप बुरा लग रहा है। इस जाप पर कंट्रोल भी आपको ही करना होगा। पत्नी को अभी प्यार और विश्वास की सख्त जरूरत है। यही वक्त है उसका दिल जीतने का। बाद में तो जीवन भर उसे आपके परिवार के साथ ही रहना मगर पहले साल में उसे अपना बनाना, अपने अनुकूल बनाना आपकी जिम्मेदारी है।

पुरानी आदतें-हम नहीं सुधरेंगे

मेरी एक सहेली है अनन्या। उसने लव-मैरिज किया था। बावजूद इसके उसकी शादी दो साल भी नहीं चली। कारण बेहद मामूली था लेकिन चुंकि समय रहते उसका इलाज नहीं हुआ इसलिए समस्या बड़ी हो गई। दरअसल उसे शादी के बाद पता चला कि उसका पति पूरे घर की भाभियों और लड़कियों का चहेता है। शुरू में इस बात पर उसे बड़ा नाज हुआ।

लेकिन जैसे-जैसे समय गुजरा उसे हर वक्त अपनी भाभियों की गोद में लेटना और घर की बड़ी होती लड़कियों को चूमना-गले लगाना बेतरह अखरने लगा। यह समस्या ऐसी थी जिस पर ना तो वह अपने पति से बात कर सकती थी ना ही किसी और से। हर बार वह अपने मन को समझाती कि इनके मन तो साफ है ना। पत्नी तो मैं हूं ना। लेकिन आखिर कब तक। उसने जब पति से बात करना चाही तो पति ने उसकी सोच को ही विकृत बता कर बात खत्म कर दी। बाद में परिणाम यह हुआ कि एक दिन पत्नी बिफर पड़ी सारे रिश्तों पर और उस ज्वालामुखी के साथ ही हर रिश्ते खत्म हो गए। शादी के बाद अक्सर यह दूसरी दरार होती है वास्तव में यहां बेहद नाजुक सी समझदारी की जरूरत है। पति मात्र शादी के बाद यह मानकर ना चलें कि अब तो पत्नी मेरी है मैं कुछ भी करूं इसे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। पति, पत्नी से यह उम्मीद कतई ना करें कि वह आपके रिश्तों की गहराई मात्र कुछ दिनों में पहचान लेगी। नैतिक रूप से देखा जाए तो यहां पत्नी जरा भी गलत नहीं है ना ही उसकी सोच।

गलत पति भी नहीं है। गलत है उसकी आदतें। जो वह शादी के बाद बदल गया है जैसा ताना सुनने से बचने के लिए बदल नहीं पा रहा है। लेकिन उसे उन आदतों को इसलिए बदलना होगा क्योंकि पत्नी का रिश्ता आपके सब रिश्तों से कहीं अधिक गहरा, पवित्र और सगा होता है। आप अपनी आदतें बदलें या न बदलें तब भी बदल गया है वाला जुमला तो आपको सुनने को मिलेगा ही। फिर क्यों ना अपनी पत्नी के लिए थोड़ा बदल ही जाएं। यहां पति अक्सर गलत जिद की वजह से पत्नी के रिश्ते को समय पर नहीं संभालते, अपनी पुरानी आदतें नहीं बदलते और बाद में उनके पास ना पत्नी बचती है और ना ही रिश्ते।

याद रखिए

पति होने के नाते आपकी पहली जिम्मेदारी यह बनती है कि आपकी पत्नी आपकी वजह से हर्ट न हो। परिवार के दूसरे लोग हर्ट करेंगे तब भी वह आपके ही पास आएगी तब भी आपको अपने इगो को परे रखकर उसे संभालना होगा। लेकिन अगर वह आपकी आदतों और व्यवहार की वजह से बार-बार उदास या क्रोधित होती है तो माफ कीजिए आपका रिश्ता वक्त के साथ धीरे-धीरे जुड़ नहीं रहा है बल्कि टूट रहा है। यह चेतावनी नए-नवेले पतियों के लिए है।

एमबाप्पे ने पेनल्टी पर गोल दागा

पैराग्वे ने डिफेंसिव खेल दिखाया। 70वें मिनट में VAR (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) रिव्यू के बाद फ्रांस को पेनल्टी मिली। डिएगो गोमेज पर फाउल का फैसला आने के बाद किलियन एमबाप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई।

पैराग्वे ने दी कड़ी टक्कर

पैराग्वे ने पूरे मैच में फ्रांस के हमलों को काफी हद तक रोके रखा। दूसरे हाफ में एमबाप्पे को एक शानदार मौका मिला, लेकिन वे ब्रेकअवे का फायदा नहीं उठा सके। मैनू कोने का दमदार शॉट गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने शानदार बचाव करते हुए रोक दिया। स्टॉपेज टाइम में भी गिल ने एमबाप्पे के दो बेहतरीन प्रयास विफल कर मुकाबले को रोमांचक बनाए रखा।

मैच में खास

- एमबाप्पे ने वर्ल्ड कप करियर का 19वां गोल किया। वे अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे रह गए हैं।
- मौजूदा टूर्नामेंट में भी एमबाप्पे के अब 7 गोल हो चुके हैं। वे गोल्डन बूट की दौड़ में मेसी के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

फ्रांस चौथी बार फीफा वर्ल्डकप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

एमबाप्पे ने हाथ नहीं मिलाया तो पैराग्वे के गोलकीपर ने फुटबॉल मारी

एजेंसी, फिलाडेल्फिया

फ्रांस फुटबॉल वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है। उसने चौथी बार टॉप-8 में जगह बनाई है। फ्रांसीसी टीम ने रविवार सुबह खेले गए मैच में पैराग्वे को 1-0 से हराया। स्टार फुटबॉलर किलियन एमबाप्पे ने दूसरे हाफ में पेनल्टी पर निर्णायक गोल किया। फिलाडेल्फिया स्टेडियम में मैच के बाद पैराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल खेल भावना के तहत एमबाप्पे से हाथ मिलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन एमबाप्पे ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। इससे निराश गिल ने फुटबॉल एमबाप्पे की ओर उछाल दी, जोकि फ्रांस के फॉरवर्ड की पीठ पर लगी।

फ्रांस का क्वार्टर फाइनल मैच 9 जुलाई की रात 1:30 बजे से मोरक्को से होगा। मोरक्को ने शनिवार देर रात राउंड ऑफ 16 के पहले मुकाबले में मेजबान कनाडा को 3-0 के अंतर से मात दी। इस जीत के साथ मोरक्को वर्ल्ड कप इतिहास में एक से ज्यादा बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। इससे पहले वह 2022 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचा था।

सह-मेजबान कनाडा का सफर समाप्त

लगातार दूसरी बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मोरक्को

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 मुकाबले में मोरक्को ने सह-मेजबान कनाडा को 3-0 से हराकर लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। स्टार मिडफील्डर अज़्ज़ेदीन औनाही ने दूसरे हाफ में दो गोल दागे, जबकि इंजरी टाइम में सुफियान रहीमी ने तीसरा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। अब मोरक्को का सामना 9 जुलाई को बोस्टन में होने वाले क्वार्टर फाइनल में फ्रांस और पराग्वे के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा। मुकाबले की शुरुआत में कनाडा ने शानदार खेल दिखाया और लगातार आक्रमण करते हुए मोरक्को की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया। मैच का पहला बड़ा मौका कनाडा को मिला, जब अली अहमद के पास पर तानी ओलुवासेयी गोलकीपर के सामने पहुंच गए। हालांकि, मोरक्को के कनाडा में जन्मे गोलकीपर यासीन बूनू ने शानदार बचाव कर अपनी टीम को शुरुआती झटका लगने से बचा लिया। पहले हाफ में मोरक्को को उस समय बड़ा झटका लगा, जब टूर्नामेंट के उनके शीर्ष स्कोरर इस्माइल साइबारी मांसपेशियों में चोट के कारण 22वें मिनट में मैदान छोड़ने पर मजबूर हो गए। उनकी जगह सुफियान रहीमी को उतारा गया।

एमबाप्पे ने वर्ल्ड कप करियर का 19वां गोल किया। वे अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे

21 साल की एलेक्जेंड्रा ईला ने स्वियातेक को किया बाहर

स्वियातेक बोली थीं- जो भी करना, 100% देना; 3 साल बाद ईला ने मात दी

एजेंसी, लंदन

विंबलडन में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर 21 साल की एलेक्जेंड्रा ईला ने डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियातेक को 7-6 (9), 6-2 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। वे किसी भी ग्रैंड स्लैम सिंगल्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। मैच जीतने के बाद ईला कोर्ट पर घुटनों के बल बैठ गईं और भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा, 'अपने देश के लोगों का समर्थन मेरे लिए बेहद खास है। यह जीत मैं अपने परिवार और फिलीपींस की सभी छोटी लड़कियों को समर्पित करती हूं।' 3 साल पहले स्वियातेक ने फ्रेंच ओपन जीता था। इसके बाद राफेल नडाल एकेडमी गई थीं। यहीं से ईला ग्रेजुएशन कर रही थी। स्वियातेक ने ईला को सर्टिफिकेट दिया था। स्वियातेक ने अपनी स्पीच में कहा था- जो भी करना, उसमें अपना 100% देना।

ईला को स्वियातेक ने ही दिया था ग्रेजुएशन डिप्लोमा

ईला ने स्वियातेक को दूसरी बार मात दी है। वे पिछले साल मियामी ओपन में भी स्वियातेक को हरा चुकी हैं। आज की जीत के बाद ईला ने कहा- 'स्कूल के बाद रफल्ड मोजे और लाइट वाले जूते पहनकर मैं रोज ट्रेनिंग के लिए जाती थी। आज की यह जीत बचपन की उस छोटी ईला, मेरे परिवार, मेरे देश और उन सभी लड़कियों के नाम है, जो बड़े सपने देखती हैं।' फिलीपींस में बड़ी होने के दौरान ईला के पास ग्रास कोर्ट पर खेलने का विकल्प नहीं था। इसके बजाय वे एक ऐसे कोर्ट का इस्तेमाल करती थीं, जो बास्केटबॉल कोर्ट था। ईला ने कहा, 'वहां बास्केटबॉल हूप्स होते थे, इसलिए मैं ज्यादा पीछे नहीं हट सकती थी। क्योंकि, तब मैं बास्केटबॉल हूप से टकरा जाती।'

नोवाक जोकोविच ने क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के साथ तोड़ा फेडरर का रिकॉर्ड

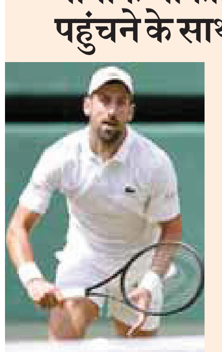

लंदन। सातवीं सीड सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने क्वालीफायर रोमन सफीउलिन को चार सेटों में रविवार को 7-6, 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के साथ विम्बलडन में ग्रास कोर्ट मास्टर रोजर फेडरर का ग्रास-कोर्ट मेजर में सर्वाधिक पुरुष एकल मैच जीतने का रिकॉर्ड तोड़ दिया। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैम्पियन 39 वर्षीय जोकोविच अब विंबलडन में 106 एकल जीत के साथ, पुरुषों के बीच सर्वकालिक रिकॉर्ड के मामले में फेडरर से आगे निकल गए हैं, पूर्व डब्ल्यूटीए नंबर 1 मार्टिना नवरातिलोवा (120) एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने इससे अधिक जीत हासिल की हैं।

फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया, 151 रन का लक्ष्य 17 गेंद रहते हासिल किया

ऑस्ट्रेलिया सातवीं बार महिला टी20 विश्वकप चैंपियन

एजेंसी, लंदन

ऑस्ट्रेलिया ने सातवीं बार विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया है। लॉर्ड्स में खेले गए फाइनल में टीम ने इंग्लैंड को 7 विकेट से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 151 रन का टारगेट 17 बॉल बाकी रहते ही हासिल कर लिया। बेथ मूनी ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 49 बॉल पर 10 चौकों की मदद से 64 रन की पारी खेली। फीबी लिचफील्ड 35 बॉल पर 48 रन बनाकर आउट हुईं। उन्होंने 6 चौके और 2 छक्के लगाए। मूनी और लिचफील्ड ने दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी कर जीत की नींव रखी। इंग्लैंड की ओर से लॉरेन बेल, चार्ली डीन और सोफी एक्लस्टन ने एक-एक विकेट लिए। इससे पहले इंग्लैंड ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 150 रन बनाए थे। कप्तान नैट सिवर-ब्रंट ने नाबाद 58 रन और फ्रेया कैम्प ने नाबाद 44 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया की ओर से लूसी हैमिल्टन, एनाबेल सदरलैंड, सोफी मोलिन्यू और किम गार्थ ने 1-1 विकेट लिया।

जीत का जश्न

फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से कभी नहीं जीता इंग्लैंड

महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच यह चौथी भिड़ंत थी और ऑस्ट्रेलिया ने अपना दबदबा बरकरार रखा। ऑस्ट्रेलिया टीम ने इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर फाइनल में इस टीम के खिलाफ लगातार चौथी जीत दर्ज की। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 2012, 2014 और 2018 के फाइनल में भी इंग्लैंड को हराकर खिताब जीता था। अब 2026 के फाइनल में भी जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप फाइनल में अपना रिकॉर्ड 4-0 कर लिया और रिकॉर्ड सातवीं बार महिला टी20 विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम की है।

बरार ने दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लिए, सुदर्शन के 168 रन, 1-0 से सीरीज जीती

भारत-ए ने श्रीलंका-ए को 10 विकेट से हराया

एजेंसी, गॉल

भारत-ए ने श्रीलंका-ए को दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में 10 विकेट से हराकर दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। रविवार को गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में मुकाबले के चौथे और आखिरी दिन तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर मैच में कुल 10 विकेट पूरे किए। पहली पारी में 168 रन बनाने वाले साई सुदर्शन ने दूसरी पारी में भी नाबाद 25 रन बनाए। सीरीज का पहला मुकाबला ड्रॉ रहा था। इससे पहले भारत-ए ने अफगानिस्तान-ए और श्रीलंका-ए वाली वनडे ट्राई सीरीज भी जीती थी।

गुरनूर ने नई गेंद से विकेट लिए

श्रीलंका-ए की शुरुआत बेहद खराब रही। बरार ने शुरुआती तीन ओवर में सोहन डी लिवेरा और नुवानिडु फर्नांडो को आउट किया। वहीं आकिब नबी ने पवन्था वीरसिंघे का विकेट लिया। मेजबान टीम सिर्फ 9 रन पर 3 विकेट गंवा चुकी थी।

गुरनूर बरार ने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर मैच में कुल 10 विकेट पूरे किए।

भारत ने 177 रन की बढ़त लेकर पारी घोषित की

भारत-ए ने चौथे दिन 541/8 से आगे खेलना शुरू किया। सिर्फ 9 गेंद खेलने के बाद यश ठाकुर के आउट होते ही टीम ने 543/9 पर पारी घोषित कर दी। सारांश जैन 70 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि चोटिल ऋतुराज गायकवाड़ बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। पहली पारी के आधार पर भारत-ए को 177 रन की बढ़त मिली। श्रीलंका-ए ने पहली पारी में 366 रन बनाए थे।

अशेन बंडारा की फिफ्टी: शुरुआती झटकों के बाद अशेन बंडारा ने तेज बल्लेबाजी की। उन्होंने गुरनूर के एक ओवर में लगातार तीन चौके लगाए और सिर्फ 47 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। कप्तान सहान अराच्चिगे ने भी कुछ अच्छे शॉट खेले, लेकिन यश ठाकुर ने उन्हें आउट कर दिया। लंच तक श्रीलंका-ए का स्कोर 115/4 था।

बुमराह ने रेड बॉल से शुरु किया अभ्यास

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने रेड बॉल क्रिकेट की तैयारी शुरू कर दी है। रविवार को उन्होंने अहमदाबाद में लाल एसजी बॉल से गेंदबाजी करते हुए तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। बुमराह आईपीएल से ब्रेक के बाद गुजरात डोमेस्टिक टीम के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं। उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से आराम दिया गया है। वे इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से इंटरनेशनल में वापसी कर रहे हैं।

इंग्लैंड वनडे और श्रीलंका टेस्ट सीरीज पर नजर

968 दिन बाद खेलेंगे वनडे: बुमराह ने आखिरी वनडे 19 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड कप फाइनल में खेला था। इंग्लैंड सीरीज के साथ वह 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में वापसी करेंगे। इसके अलावा उन्हें एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। वे अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में भी नहीं खेले थे।

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में रविवार को सुबह से शाम तक बादल छाए रहे। शाम 5 बजे के बाद मौसम में बदलाव हो गया है और गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हो गई। रुक-रुककर रात तक बारिश होती रही। इस दौरान शहर का अधिकतम पारा 30.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम केंद्र के पूर्वानुमान के मुताबिक राजधानी में सोमवार को भी गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। इस दौरान बारिश के भी आसार हैं। राजधानी में मानसून की दस्तक के बाद भी बारिश का दौर जारी है। प्री-मानसून में भी शहर में मानसून की तरह बारिश हुई है। इस वजह से राजधानी में जून में औसत से अधिक बारिश दर्ज हो चुकी है।

राजधानी में जून में पिछले साल से अधिक बारिश रिकार्ड हुई है। अभी जुलाई में भी लगातार बारिश हो रही है। लगातार हो रही बारिश की वजह से जुलाई की बारिश का कोटा भी पूरा हो जाएगा। बदलते मौसम की वजह से दिन और रात के तापमान में भी गिरावट दर्ज हो रही है।

जुलाई में पांच बार औसत से अधिक बारिश

साल	बारिश मिमी में
2016	670. 2
2017	292.6
2018	354.0
2019	643.1
2020	154.7
2021	205.1
2021	854.5
2023	289.0
2024	542.4
2025	544.4

बिजली की बढ़ी मांग घरेलू, गैर-घरेलू और औद्योगिक क्षेत्रों में लगातार विस्तार, सिंचाई उपभोक्ता सबसे बड़ी श्रेणी बनी

चार साल में बिजली उपभोक्ता 11.66 लाख बढ़े, खपत भी 21 प्रतिशत बढ़ी

भोपाल (नगर संवाददाता)

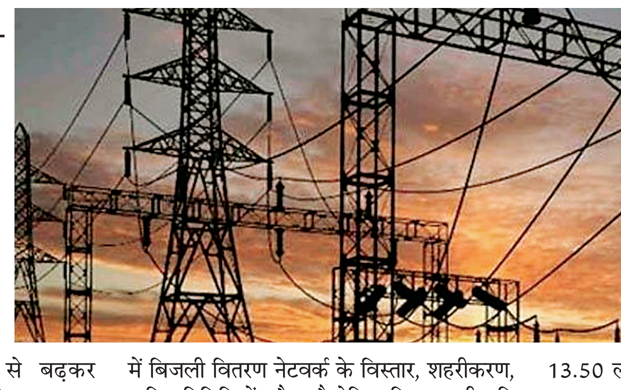

प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या और विद्युत खपत दोनों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। पिछले चार साल में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या 1 करोड़ 66 लाख 66 हजार 926 से बढ़कर 1 करोड़ 78 लाख 32 हजार 461 हो गई। यानी चार वर्षों में करीब 11.66 लाख नए उपभोक्ता बिजली नेटवर्क से जुड़े। इसी अवधि में कुल विद्युत खपत 55,829 मिलियन यूनिट से बढ़कर 67,682 मिलियन यूनिट पहुंच गई, जो लगभग 21 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है। यह आंकड़े प्रदेश में बिजली वितरण नेटवर्क के विस्तार, शहरीकरण, कृषि गतिविधियों और औद्योगिक विकास की गति को बताते हैं। सबसे अधिक उपभोक्ता घरेलू श्रेणी में हैं। वर्ष 2020-21 में घरेलू उपभोक्ताओं की संख्या 1 करोड़ 20 लाख 81 हजार 200 थी, जो बढ़कर 1 करोड़ 26 लाख 92 हजार 661 हो गई। घरेलू क्षेत्र की बिजली खपत भी इसी अवधि में 16,384 मिलियन यूनिट से बढ़कर 18,723 मिलियन यूनिट हो गई, जिससे स्पष्ट है कि घरों में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। गैर-घरेलू श्रेणी में भी इजाफा देखने को मिला है। इस वर्ग के उपभोक्ता 11.22 लाख से बढ़कर 13.50 लाख हो गए। वहीं, इस श्रेणी की बिजली खपत 2,990 मिलियन यूनिट से बढ़कर 4,079 मिलियन यूनिट पहुंच गई।

सिंचाई उपभोक्ता दूसरी बड़ी श्रेणी बनी

सिंचाई उपभोक्ता दूसरी सबसे बड़ी श्रेणी बने हैं। 2023-24 में सिंचाई उपभोक्ताओं की संख्या 35 लाख 50 हजार 940 रही, जो वर्ष 2020-21 के 32 लाख 54 हजार 483 की तुलना में लगभग तीन लाख अधिक है। सिंचाई क्षेत्र में बिजली की खपत भी लगातार बढ़ी और यह करीब 26.7 हजार मिलियन यूनिट से बढ़कर 28.6 हजार मिलियन यूनिट तक पहुंच गई। इससे कृषि क्षेत्र में विद्युत आधारित सिंचाई सुविधाओं के विस्तार का संकेत मिलता है।

- **निम्नदाब, उच्च दाब उपभोक्ताओं में भी इजाफा :** निम्न दाब उद्योगों के उपभोक्ताओं की संख्या 1.31 लाख से बढ़कर 1.37 लाख हो गई, जबकि उच्च दाब उद्योगों की संख्या 4,959 से बढ़कर 5,883 तक पहुंची। सड़क प्रकाश उपभोक्ता 21,289 से बढ़कर 23,102 हो गए, जबकि सार्वजनिक जलापूर्ति से जुड़े उपभोक्ता 48,281 से बढ़कर 68,674 तक पहुंच गए। गैर-औद्योगिक एवं अनुज्ञप्तिधारी श्रेणी में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इस वर्ग के उपभोक्ताओं की संख्या 2,473 से बढ़कर 3,213 हो गई, जबकि बिजली खपत 1,326 मिलियन यूनिट से बढ़कर 1,865 मिलियन यूनिट तक पहुंच गई।
- **उत्पादन बढ़ाने की जरूरत:** आंकड़ों से स्पष्ट है कि प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ रही है। उपभोक्ताओं की संख्या और विद्युत खपत में समानांतर वृद्धि यह संकेत देती है कि वितरण तंत्र का विस्तार, नए कनेक्शनों की उपलब्धता और आर्थिक गतिविधियों में तेजी के कारण प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताएं लगातार बढ़ रही हैं।

155 आबकारी आरक्षकों के नियुक्ति आदेश जारी

भोपाल, प्रसं। राज्य सरकार ने कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा आयोजित सीधी भर्ती परीक्षा में चयनित 155 आबकारी आरक्षकों की विभिन्न जिला आबकारी कार्यालयों में नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए हैं। इन्हें सातवें वेतनमान के लेवल-4 के अंतर्गत 19 हजार 500 रुपए-62 हजार रुपए पर नियुक्त किया गया है।

इनकी परिवीक्षा अवधि तीन साल की रहेगी। इन्हें पहले वर्ष वेतनमान का 70 प्रतिशत, दूसरे वर्ष 80 प्रतिशत तथा तीसरे वर्ष 90 प्रतिशत वेतन दिया जाएगा। परिवीक्षा अवधि सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर इनके स्थाईकरण की कार्यवाही की जाएगी।

भोपाल एम्स के शोध को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिली सराहना

भोपाल से दुनिया तक पहुंची कैंसर जांच की नई तकनीक

- महिलाओं की शुरुआती स्क्रीनिंग होगी आसान

भोपाल (नगर संवाददाता)

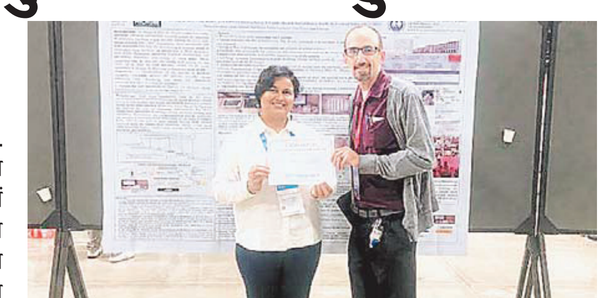

एम्स भोपाल की जैवरसायन विभाग की प्रो. डॉ. रश्मि चौधरी ने महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए विकसित कम लागत वाली जांच तकनीक से अंतराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। उनके शोध को अमेरिका के वाशिंगटन डी.सी. में आयोजित एएसएम माइक्रोब-हेल्थ मीटिंग-2026 में वैज्ञानिकों ने सराहा। यह उपलब्धि न केवल एम्स भोपाल बल्कि मध्यप्रदेश के चिकित्सा अनुसंधान क्षेत्र के लिए भी गौरव का विषय मानी जा रही है।

प्रो. चौधरी का यह शोध भारत सरकार के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) के सहयोग से किया गया है। शोध में एचपीवी-16, एचपीवी-18, केआई-67 और पी16आईएनके4ए जैसे बायोमार्कर्स की मदद से सर्वाइकल कैंसर के जोखिम की शुरुआती अवस्था में पहचान करने की नई तकनीक विकसित की गई है। इसका उद्देश्य बीमारी का समय रहते पता लगाकर उपचार शुरू करना और महिलाओं की मृत्यु दर को कम करना है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी होगी आसान जांच

शोध टीम ने एक कम लागत वाला, यूएसबी से संचालित पोर्टेबल पॉइंट-ऑफ-केयर स्क्रीनिंग डिवाइस भी तैयार किया है। यह उपकरण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और संसाधन-सीमित ग्रामीण क्षेत्रों में भी सर्वाइकल कैंसर की जांच को आसान बनाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे दूरदराज की महिलाओं तक समय पर स्क्रीनिंग और उपचार की सुविधा पहुंच सकेगी।

एक साथ मिलीं दो बड़ी अंतराष्ट्रीय उपलब्धियां

प्रो. डॉ. रश्मि चौधरी के इस शोध को संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से जुड़े एएसएम जर्नल्स एसडीजी अवॉर्ड के लिए चुना गया है। इसके अलावा जीव विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें 1 जुलाई 2026 से रॉयल सोसाइटी (एफआरएसबी) का फेलो भी नामित किया गया है। एक साथ मिली इन दो अंतराष्ट्रीय उपलब्धियों ने एम्स भोपाल और प्रदेश के वैज्ञानिक समुदाय का गौरव बढ़ाया है।

मप्र पर्यटन मंडल ने शुरू किए पंजीयन, 25 तक अंतिम तिथि

- पर्यटन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से विद्यार्थी समझेंगे मप्र का समृद्ध इतिहास और संस्कृति

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश पर्यटन मंडल 'मध्यप्रदेश पर्यटन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता-2026' आयोजित करने जा रहा है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रदेश के समृद्ध इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों, महापुरुषों एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थलों की जानकारी दी जाएगी। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली यह ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता विद्यार्थियों में अपने प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं और पर्यटन स्थलों के प्रति जागरूकता एवं गौरवबोध विकसित करने का प्रभावी माध्यम है।

प्रतियोगिता के आयोजन एवं व्यापक जनभागीदारी के लिए जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय हाई स्कूल तथा हायर सेकेण्ड्री विद्यालयों से विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी तथा सभी संकुल प्राचार्यों से कहा गया है कि वे विद्यालय स्तर पर अधिक से अधिक विद्यार्थियों का पंजीयन कराकर उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन पंजीयन एक जुलाई से प्रारंभ होकर 25 जुलाई तक होंगे। सभी प्रतिभागी टीमों का पंजीयन मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट https:/www.tourism.mp.gov.in/ के माध्यम से किया जाएगा।

सांसद एवं महापौर ने गुफा मंदिर के महंत के साथ किया भूमिपूजन

नवीन मानस भवन और गौ-शाला की मिलेगी सौगात, खर्च होंगे 22 करोड़

भोपाल (नगर संवाददाता)

लालघाटी स्थित गुफा मंदिर को आलीशान मानव भवन एवं आधुनिक गौ-शाला की सौगात मिलने वाली है, जिस पर लगभग 22 करोड़ की राशि खर्च की जाएगी।

इसका रविवार सुबह सांसद आलोक शर्मा एवं महापौर मालती राय ने गुफा मंदिर के महंत की मौजूदगी में भूमिपूजन किया। मानव भवन पर 20 एवं गौ-शाला पर 2 करोड़ की राशि व्यय की जाएगी। इस अवसर पर सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि मानस भवन बनने से विवाह, पारिवारिक समारोह, धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य सामाजिक आयोजनों के लिए नागरिकों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्थान उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में बनने वाली अत्याधुनिक गौशाला में गौसेवा की बेहतर व्यवस्था होगी। यहां गोकाष्ठ (गोकास्ट) निर्माण की मशीन भी स्थापित की जाएगी, जिससे गोबर से उपयोगी उत्पाद तैयार होंगे और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

संस्कृति को मिली नई दिशा

महंत रामप्रवेश दास महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गौसंरक्षण और भारतीय संस्कृति के संरक्षण को नई दिशा मिली है। उन्होंने सांसद आलोक शर्मा द्वारा गुफा मंदिर क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आने वाले समय में भी श्रद्धालुओं की सुविधाओं के अनुरूप विकास कार्य जारी रहेंगे। महापौर मालती राय ने बताया कि मंदिर परिसर के नाला निर्माण कार्य का टेंडर जारी हो चुका है और इसे शीघ्र पूरा कराया जाएगा। क्षेत्र की अन्य आवश्यक विकास योजनाओं को भी प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर महंत रामदास महाराज, महंत अनिलानंद, महंत कन्हैयादास, एमआईसी सदस्य मनोज राठौर एवं राजेश हिंगोरानी, पार्षद प्रियंका मिश्रा, पूजा शर्मा, विनीता सोनी, सरोज आसेरी, हिन्दु उत्सव समिति के पूर्व अध्यक्ष कैलाश बेगवानी, रेलवे सलाहकार समिति के राष्ट्रीय सदस्य नितेश लाल, भाजपा जिला मंत्री चेतन भार्गव, राकेश कुकरेजा, वरिष्ठ भाजपा नेता विकास वीरानी, अशोक सैनी, कैलाश मिश्रा, गिरीश शर्मा, पूर्व महापौर सुनील सूद, मनमोहन अग्रवाल, भरत पटेल, गोपाल गोदानी सहित बड़ी संख्या में संत, जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु उपस्थित थे।

नर्सेस कर्मियों का जमावड़ा एंप्लॉय कोड पर दिया जोर

भोपाल (नगर संवाददाता)

ग्रेड पे सहित अन्य मांगों को लेकर गांधी मेडिकल कॉलेज में रविवार को प्रदेश भर के नर्सेस कर्मचारियों का जमावड़ा हुआ। नर्सिंग की डिमांड और समस्याओं को लेकर प्रदेश के नर्सिंग संगठनो की सामूहिक बैठक हुई। जिसमें आगे की रणनीति बनाई गई। नर्सिंग की प्रमुख मांगे और समस्याएं हैं। जिनमें प्रथम चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत एम्पलाई कोड को लेकर जो समस्या आ रही है, उनको दूर करने के लिए एम्प्लॉय कोड बनाने पर मंथन हुआ। इसके साथ ही मांग उठाई गई कि 7वां वेतनमान का लाभ स्वास्थ्य विभाग के भांति 1 अप्रैल 2018 की जगह 1 जनवरी 2016 से दिया जाए। अन्य राज्यों के भांति ग्रेड पे रिवाइज हो। इन प्रमुख मांगों पर सहमति बनी है। आगामी दिनों में बैठक कर संगठन की मजबूत कर आगामी बैठक में आंदोलन की रूपरेखा तय करने पर सहमति बनी है । बैठक में मेडिकल एंड हेल्थ नर्सिंग एसोसिएशन प्रदेश अध्यक्ष धनराज नागर महासचिव जलजा नायर, प्रदेश सचिव उत्तरा तिवारी, संभाग अध्यक्ष विनीता ,संभागीय सचिव किरण शर्मा सहित प्रदेश भर से पदाधिकारी शामिल हुए।

अन्य राज्यों की तरह ग्रेड पे नहीं मिलने पर भी जताई गई नाराजगी

वनबंधु परिषद भोपाल द्वारा वार्षिक साधारण सभा का आयोजन

भोपाल। वनबंधु परिषद, भोपाल चैप्टर की होटल मोटल शिराज में वार्षिक साधारण सभा हुई। इस दौरान चैप्टर के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में बताया कि वनबंधु परिषद विगत 37 वर्षों से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एकल अभियान के माध्यम से वनवासी बच्चों में शिक्षा, संस्कार एवं स्वाभिमान जागरण का कार्य निरंतर कर रहा है। देशभर के लगभग 50,000 से अधिक वनवासी ग्रामों में एकल विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। नगरीय क्षेत्रों में स्थापित परिषद के चैप्टर समाज के सहयोग से धन संकलन कर वनवासी बच्चों की शिक्षा एवं ग्रामों के समग्र विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। भोपाल चैप्टर के सचिव अविनाश पाटीदार ने वर्षभर की गतिविधियों का विवरण दिया, जबकि पूर्व कोषाध्यक्ष दीपक बाहेती द्वारा वार्षिक लेखा-जोखा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। महिला समिति की सहसचिव दीप्ति गोरखे ने महिला समिति की गतिविधियों के साथ राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त सम्मान की जानकारी दी। एफटीएस युवा समिति की पूर्व अध्यक्ष डॉ. विजेता भार्गव ने युवा समिति की वार्षिक गतिविधियों का माहवार विवरण प्रस्तुत किया तथा राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त सम्मान के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्यभारत प्रांत के प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता ने वनबंधु परिषद के शिक्षा एवं ग्राम विकास के कार्यों की सराहना करते हुए इसे अनुकरणीय बताया। इस अवसर पर महिला समिति की सहसचिव एवं प्रसिद्ध पर्वतारोही ज्योति रात्रे को मैक्सिको स्थित पिको डी ओरिजाबा (5,636 मीटर) की चोटी पर तिरंगा फहराने की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

एक प्रतिशत मजदूरों को भी 100 दिन रोजगार नहीं दे पाई सरकार

भोपाल (नगर संवाददाता)

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी ने रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा में भाजपा सरकार पर मनरेगा, ग्रामीण रोजगार और किसानों के मुद्दे पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पहले भगवान श्रीराम के नाम पर राजनीति की, फिर प्रचार किया और अब भगवान श्रीराम के नाम पर गरीब मजदूरों को भ्रमित करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मनरेगा जैसी विश्व की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना का नाम बदलकर जी-राम (विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन) कर दिया गया है और 125 दिन रोजगार देने का दावा किया जा रहा है, जबकि मप्र सरकार पिछले दस वर्षों में मनरेगा के तहत गरीबों को 100 दिन का रोजगार भी उपलब्ध नहीं करा सकी। चौधरी ने बताया कि कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल एवं पंकज उपाध्याय द्वारा विधानसभा में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मप्र सरकार ने स्वयं स्वीकार किया है कि पिछले दस वर्षों में प्रदेश के 52 जिलों में मनरेगा के तहत पंजीकृत मजदूरों में से एक प्रतिशत मजदूरों को भी पूरे 100 दिन का रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जा सका। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा 125 दिन रोजगार देने की घोषणा केवल राजनीतिक प्रचार और जनता को गुमराह करने का प्रयास है। उन्होंने मांग की कि प्रदेश के प्रत्येक किसान की 100 प्रतिशत मूंग की खरीदी एमएसपी पर सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिल सके।

प्रतिमा बागरी आज छानबीन समिति के सामने पेश होंगी

भोपाल (नगर संवाददाता)

जाति प्रमाण पत्र विवाद का मामला

मप्र सरकार में नगरीय विकास एवं अवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी जाति प्रमाण पत्र विवाद मामले में सोमवार को राज्य स्तरीय छानबीन समिति के सामने पेश होंगी। बैठक सुबह 11 बजे होगी। समिति ने हाल में उन्हें नोटिस जारी कर 6 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए थे। समिति ने राज्यमंत्री से उनके जाति प्रमाण पत्र से संबंधित सभी मूल दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा है। जानकारी के अनुसार यह मामला जाति प्रमाण पत्र की वैधता की जांच से जुड़ा है। इससे पहले इस संबंध में न्यायालय में भी मामला पहुंच चुका है। न्यायालय की कार्यवाही के बाद राज्य स्तरीय छानबीन समिति ने जांच प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए मंत्री को नोटिस जारी किया है। जानकारी के अनुसार जांच के दौरान वर्ष 1950 के रिकॉर्ड को महत्वपूर्ण आधार माना जाएगा।

डॉ. मुखर्जी के विचार राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देते हैं:सीएम

भोपाल (नगर संवाददाता)

भाजपा के जिला कार्यकर्ता सम्मेलन को मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने किया संबोधित

प्रदेश भाजपा कार्यालय में रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर आयोजित जिला कार्यकर्ता सम्मेलन में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। वक्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों, उनके योगदान और देश की एकता-अखंडता के लिए दिए गए बलिदान को याद करते हुए उन्हें प्रेरणास्रोत बताया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा और जम्मू-कश्मीर के विशेष प्रावधानों का विरोध करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धारा 370 हटाकर डॉ. मुखर्जी के संकल्प को साकार किया गया। डॉ. मुखर्जी के विचार आज भी राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देते हैं। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी दूरदर्शी नेता थे। उनकी राजनीतिक सूझबूझ के कारण पश्चिम बंगाल भारत का अभिन्न हिस्सा बना रहा और देश की अखंडता मजबूत हुई। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद देश की एकता के लिए पहला बड़ा बलिदान डॉ. मुखर्जी ने दिया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों ने राष्ट्रवादी राजनीति की मजबूत नींव रखी।

उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से कार्य करने वाला संगठन है। प्रदेश के सभी जिलों में डॉ. मुखर्जी की जयंती पर कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित कर उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शॉप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल तथा ए-95 कस्तूरबा नगर भोपाल मप्र से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा। फोन: 7898826680